CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-275
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 08 जनवरी 2024

आज का विचार

शब्द ही खुशी शब्द ही गम,
शब्द ही परेशानी शब्द ही सुलझन।

पेज-04

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार का फैसला पलटा

बिलकिस बानो के दोषी फिर जाएंगे जेल

नई दिल्ली। बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म मामले और 2002 के गुजरात दंगों के दौरान उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के 11 दोषियों की सजा में छूट को चुनौती देने संबंधी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 दोषियों को समय से पहले रिहा करने के आदेश को निरस्त कर दिया है। 11 दोषियों की समय से पहले रिहाई को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सोमवार को मामले में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की विशेष पीठ फैसला सुनाया। पीठ ने गुजरात सरकार के फैसले को पलटते हुए कहा कि गुजरात राज्य द्वारा शक्ति का प्रयोग सत्ता पर कब्जा और सत्ता के दुरुपयोग का एक उदाहरण है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने फैसला सुनाते हुए कहा कि प्लेटो ने का कहा था कि सजा प्रतिशोध के लिए नहीं बल्कि सुधार के लिए है। क्यूरेटिव थ्योरी के में सजा की तुलना दवा से की जाती है, अगर किसी अपराधी का इलाज संभव है, तो उसे मुक्त कर दिया जाना चाहिए। यह सुधारात्मक सिद्धांत का आधार है। लेकिन पीड़ित के अधिकार भी महत्वपूर्ण हैं। नारी सम्मान की पात्र है। क्या महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों में छूट दी जा सकती है? ये वो मुद्दे हैं जो उठते हैं।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा, हम योग्यता और स्थिरता दोनों के आधार पर रिट याचिकाओं पर विचार करने के लिए आगे बढ़ते हैं। इस मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद ये बातें सामने आती हैं- 1. क्या पीड़िता द्वारा धारा 32 के तहत दायर याचिका सुनवाई योग्य है? 2. क्या छूट के आदेश पर सवाल उठाने वाली जनहित याचिकाएं मानने योग्य हैं।? 3. क्या गुजरात सरकार छूट आदेश पारित करने में सक्षम थी? 4. क्या दोषियों को छूट का आदेश कानून के अनुसार दिया गया? याचिका की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सभी दोषियों की सजा में मिली छूट को रद्द कर दिया। गुजरात सरकार ने पिछले साल मामले में 11 दोषियों को रिहा किया था। अब कोर्ट के फैसले के बाद सभी 11 दोषियों को वापस जेल जाना होगा। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने 11 दिन की सुनवाई के बाद दोषियों की सजा में छूट को चुनौती देने संबंधी याचिकाओं पर पिछले साल 12 अक्टूबर को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखते हुए केंद्र और गुजरात सरकार को 16 अक्टूबर तक 11 दोषियों की सजा में छूट संबंधी मूल रिकॉर्ड जमा करने का निर्देश दिया था। अदालत ने पिछले साल सितंबर में मामले की सुनवाई करते हुए पूछा था कि क्या दोषियों को माफी मांगने का मौलिक अधिकार है।

बानो केस में गुजरात सरकार को सुप्रीम कोर्ट लेकर की टिप्पणी

शीर्ष अदालत ने पहले की सुनवाई के दौरान गुजरात सरकार से कहा था कि राज्य सरकारों को दोषियों को सजा में छूट देने में ''चयनात्मक रवैया'' नहीं अपनाना चाहिए और प्रत्येक कैदी को सुधार तथा समाज के साथ फिर से जुड़ने का अवसर दिया जाना चाहिए। इस मामले में बिलकिस की याचिका के साथ ही मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की नेता सुभाषिनी अली, स्वतंत्र पत्रकार रेवती लाल और लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति रूपरेखा वर्मा समेत अन्य ने जनहित याचिकाएं दायर कर सजा में छूट को चुनौती दी है। तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा ने भी दोषियों की सजा में छूट और समय से पहले रिहाई के खिलाफ जनहित याचिका दायर की है।

क्या है पूरा मामला?

बिलकिस बानो उस वक्त 21 वर्ष की थीं और पांच महीने की गर्भवती थीं, जब साम्प्रदायिक दंगों के दौरान उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ था। उसकी तीन वर्षीय बेटी परिवार के उन सात सदस्यों में शामिल थी, जिनकी दंगों के दौरान हत्या कर दी गई थी। पिछले साल 15 अगस्त को सभी 11 दोषियों को सजा में छूट दिए जाने और रिहा किए जाने के तुरंत बाद सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनेताओं ने शीर्ष अदालत में कई याचिकाएं दायर की थीं। बिलकिस ने नवंबर में शीर्ष अदालत का रुख किया था। अदालत में दोषियों ने कहा था कि वे पहले ही बहुत कुछ झेल चुके हैं और 14 साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं। दोषियों ने कहा था कि उन्हें अपने परिवार के सदस्यों के साथ फिर से मिलने की अनुमति दी जानी चाहिए। यह अनुरोध करते हुए कि उनकी स्वतंत्रता छीन नहीं जानी चाहिए, उन्होंने कहा था कि अदालत को सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और उन्हें खुद को सुधारने का मौका दिया जाना चाहिए।

रामलला के दर्शन को तीर्थ यात्रियों को फ्लाइट से भेजेगी मध्य प्रदेश सरकार

भोपाल। अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद मध्य प्रदेश सरकार फ्लाइट से तीर्थ यात्रियों को अयोध्या भेजेगी। एक फरवरी से यह क्रम प्रारंभ होगा और लोकसभा चुनाव की घोषणा होने तक जारी रहेगा। इसके लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत व्यवस्था की गई है। इसमें प्रदेश के सभी जिलों से 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का चयन कर भेजा जाएगा। प्रदेश के धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग ने तैयारी प्रारंभ कर दी है। विमान सेवा का संचालन करने वाली संस्थाओं से पूर्व में ही अनुबंध किए जा चुके हैं। विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. राजेश राजोरा ने बताया कि एक फरवरी से मार्च तक यात्रियों को अयोध्या भेजा जाएगा। इसके लिए तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत यात्रियों का चयन अलग-अलग जिलों से किया जाएगा। वहीं, रेलवे की ओर से प्रदेश के लिए 19 ट्रेनें उपलब्ध कराई जाएंगी, जो प्रदेश के अलग-अलग स्थानों से यात्रियों को अयोध्या ले जाएंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार से करेंगे लोकसभा चुनाव अभियान का आगाज

नई दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत बिहार से कर सकते हैं। सूत्रों के हवाले से भाजपा बताया कि 13 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी चंपारण के बेतिया में रैली करेंगे। वे रमन मैदान में एक जनसभा भी करेंगे। इसी दिन वे झारखंड के धनबाद भी जा सकते हैं। भाजपा सूत्रों ने बताया कि 13 जनवरी को बेतिया में मोदी बिहार के विभिन्न सड़कों और केंद्रीय योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर सकते हैं। 2014 लोकसभा चुनाव के बाद यह पहली बार होगा, जब भाजपा अपने सबसे पुराने सहयोगी जेडीयू के बिना चुनावी मैदान में उतरेगी। 15 जनवरी के बाद भाजपा राज्य में कई जनसभाएं और रैलियां करेगी। प्रधानमंत्री मोदी बेगूसराय, बेतिया और औरंगाबाद में तीन रैलियां करेंगे। पार्टी इस बार लोजपा और हम के साथ मिलकर 40 सीटों पर मैदान में होगी। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के बाद पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह जनवरी और फरवरी में कैंपेन में शामिल होंगे। शाह जनवरी और फरवरी में सीतामढी, मधेपुरा और नालंदा में जनसभाएं करेंगे। वहीं, नड्डा बिहार के सीमांचल और पूर्वी इलाकों में रैलियां करेंगे। बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं। बता दें कि 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए को 39 सीटों पर जीत मिली थी। तब नीतीश कुमार की जेडीयू भाजपा के साथ थी। नीतीश के एनडीए से अलग होने के बाद भाजपा के पास 17 और जेडीयू के पास 16 सीटें हैं। इसके अलावा भाजपा की सहयोगी लोजपा के पास 6 सीटें हैं। एक सीट कांग्रेस के खाते में गई थी। जेडीयू के पास एक भी सीट नहीं है। लोकसभा चुनाव में भाजपा का सामना करने के लिए बने इंडिया के सामने चुनावी अभियान शुरू करने से पहले 28 दलों के बीच सीट शेयरिंग भी बड़ी चुनौती है। इसी महीने गठबंधन की पांचवीं बैठक होनी है, जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस गठबंधन वाले 9 राज्यों की 85 सीटें इंडिया ब्लॉक से मांगेगी।

दमोह की कसाई मंडी में पुलिस को मिली जानवरों की 4200 किलो हड्डियां, मिनी ट्रक में हो रही थीं लोड

दमोह। दमोह की कसाई मंडी में पुलिस ने दबिश देकर 4000 किलो से अधिक हड्डियां बरामद की हैं। यहां एक अवैध हड्डी गोदाम होने की सूचना पुलिस को मिली थी। इसके बाद पुलिस ने यहां दबिश दी तो यहां रहने वाले चांद बाबु कुरैशी ने हड्डी गोदाम में बड़े पैमाने पर हड्डियां जमा करके रखी थीं। पिछले कुछ दिनों से लगातार पुलिस के द्वारा इस क्षेत्र में कार्यवाई की जा रही है। इसके चलते ये अवैध कारोबारी इन हड्डियों को कहीं ले जाने की फिराक में था और एक लोडिंग

वाहन में इन हड्डियों को लोड करवा रहा था उसी वक्त पुलिस टीम वहां पहुंच गई। सीएसपी अभिषेक तिवारी ने बताया कि ये अवैध कारोबार है और जानवरों की 4200 किलोग्राम से ज्यादा हड्डियां यहां मिली हैं। वहीं इन हड्डियों को दूसरी जगह ले जाने के लिए जो गाड़ी लोड की जा रही थी उसे भी जब्त किया गया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इलाके में अवैध स्लाटर हाउस भी संचालित हो रहे हैं और इन हड्डियों की तादाद देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां कितने जानवरों का कत्लेआम किया गया है। बता दें शहर के कसाई मंडी में बड़े पैमाने पर हो रही गोवंश हत्या रोकने के लिए हिंदू संगठनों द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है। इसी के चलते अब पुलिस कसाई मंडी क्षेत्र में पूरी सक्रियता के साथ पेट्रोलिंग कर रही है। रविवार सुबह 4 बजे जब लोग गहरी नींद में सो रहे थे उस दौरान एएसपी संदीप मिश्रा ने पुलिस बल के साथ कसाई मंडी में दबिश दी थी। ताकि यहां इस तरह का कोई भी अवैध कारोबार होते मिले तो तत्काल ही आरोपी पकड़े जा सकें। वहीं एक दिन पहले ही आरोपियों द्वारा कसाई मंडी क्षेत्र में बनाए गए स्लॉटर हाउस खुद ही तोड़ दिए थे।

चार राज्यों में शीतलहर और 14 में कोहरा, दो दिन राहत के आसार नहीं

सर्दी का सितम जारी है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में शीतलहर चली। अभी दो दिन तक इसके जारी रहने का अनुमान जताया गया है। वहीं, 14 राज्यों में कोहरे से जनजीवन प्रभावित रहा। ट्रेनों की रफ्तार भी कम रही, जिससे वे घंटों देरी से गंतव्यों पर पहुंचीं। उत्तर भारत के ज्यादातर क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते 8-10 जनवरी के बीच उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में गरज के साथ बारिश की भी संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा में सोमवार को भी भीषण से अधिक भीषण ठंड की स्थिति बनी रह सकती है।

इंदौर ने स्वच्छता के साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र मे भी देश को दिखाई नई राहः मंडाविया

इंदौर। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया और प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल (उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल) की उपस्थिति में रविवार को यहां हेल्थ ऑफ इंदौर द्वारा नागरिकों के कराए गए प्रिवेंटिव हेल्थ केयर सर्वे का प्रकाशन किया गया। इस सर्वे की रिपोर्ट क्षेत्रीय सांसद शंकर लालवानी ने दोनों अतिथियों को सौंपी। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मंडाविया ने कहा कि इंदौर ने स्वच्छता के साथ अब स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी देश को नई राह दिखाई हैं। हेल्थ ऑफ इंदौर अभियान की तर्ज पर पूरे देश में

प्रिवेंटिव हेल्थ केयर सर्वे करवाया जाएगा। यह सर्वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वास्थ्य भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रिवेंटिव हेल्थ केयर समय की सबसे बड़ी जरूरत है। बदलते समय में हमें भी बदलना होगा। स्वास्थ्य के प्रति जवाबदेह और जागरूक बनने की जरूरत है। हर व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना होगा, जिससे वह स्वस्थ रहे, इससे जान और माल की दोनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को देश के विकास में स्वस्थ रहकर भागीदारी करने की आवश्यकता है। स्वस्थ रहने के लिये सतत श्रम की जरूरत है। नागरिकों को नियमित रूप से एक्सरसाइज करना होगा। एक्सरसाइज के लिये साइकलिंग बेहतर माध्यम है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है और स्वस्थ समाज बनता है, स्वस्थ समाज समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है। उन्होंने सांसद लालवानी के प्रयासों से हेल्थ ऑफ इंदौर अभियान के तहत कराये गये सर्वे की सराहना की और कहा कि यह सर्वे भारत सरकार के लिये उपयोगी होगा। प्रिवेंटिव हेल्थ सर्वे का विस्तार पूरे देश में किया जायेगा। हेल्थ ऑफ इंदौर का प्रिवेंटिव हेल्थ केयर सर्वे जनता की स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वर्पूण प्रयास उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रिवेंटिव हेल्थ केयर सर्वे एक बड़ा अभियान है। यह अभियान स्वस्थ समाज के लिये निर्माण में मददगार बनेगा। उन्होंने प्रिवेंटिव हेल्थ केयर अभियान को पूरे प्रदेश में विस्तारित करने की बात कहते हुये कहा कि इसे जनआंदोलन बनाया जायेगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ सुविधाओं के विस्तार में देश में अद्भुत और अकल्पनिय कार्य हो रहे हैं।

सिंगल कॉलम

अब मध्य प्रदेश में ड्रोन के माध्यम से पहुंचाई जा सकेगी दवाइयां आर्गन ट्रांसपोर्टेशन भी होगा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने रविवार के जीपीओ चौराहे पर केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) उप क्षेत्रीय कार्यालय और केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। यह देश की आठवीं और प्रदेश की पहली केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला है।उन्होंने वर्चुअली एम्स भोपाल में पांच आधुनिक सुविधाओं का लोकार्पण किया। 2.7 करोड़ रुपये की लागत से बना हड्डियों का घनत्व नापने वाला डेक्सा स्कैन, वायरल लोड जांचने के लिए 1.67 करोड़ रुपये की लागत से बना कोबाल्ट 5800 सिस्टम, दो करोड़ की लागत से बना ट्रामा और इमरजेंसी आपरेशन थियेटर कांप्लेक्स, ड्रोन स्टेशन जिससे आदिवासी क्षेत्रों तक दवाइयां पहुंचाई जा सकेंगी, दो करोड़ रुपये की लागत से बना 16 कमरे वाला प्राइवेट वार्ड काम्प्लेक्स, जिनके माध्यम से आम जनता तक सारी स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जा सकेंगी और चार करोड़ की लागत से बना जिम कांप्लेक्स का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इस प्रयोगशाला के माध्यम से निर्मित की जा रही दवाइयों का मानक सुनिश्चित करने में आसानी होगी। अब प्रदेश की फार्मास्यूटिकल कंपनियों को भारत सरकार के अप्रूवल के लिए दिल्ली नहीं आना पड़ेगा, बल्कि वे इंदौर से ही अपनी एप्लीकेशन जमा कर सकेंगे। इंदौर फार्मास्यूटिकल हब के रूप में विकसित हो रहा है। यहां पर मेडिकल डिवाइस पार्क का भी निर्माण हो रहा है। जल्द ही मेडिकल डिवाइस परीक्षण प्रयोगशाला भी बनाई जाएगी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, सांसद शंकर लालवानी, ड्रग कंट्रोलर जनरल आफ इंडिया राजीव सिंह रघुवंशी, एम्स भोपाल के सीईओ अजय सिंह आदि मौजूद रहे। ड्रोन से पहुंचेंगे अंग उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान हम खेतों में ड्रोन का उपयोग तो देख ही रहे हैं, लेकिन अब स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी ड्रोन का प्रयोग किया जा रहा है। यह स्वास्थ्य एवं कृषि क्षेत्र के लिए बहुत बड़ा परिवर्तन है। ड्रोन के माध्यम से हम न केवल दूरस्थ क्षेत्रों तक दवाइयां पहुंच सकेंगे लेकिन आपातकालीन स्थिति में रक्त पहुंचना, ब्लड सैंपल लेना एवं आर्गन ट्रांसपोर्टेशन भी किया जा सकेगा। यह सब दर्शा रहा है कि मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ोतरी हो रही है।

इंदौर में आज से एमजी रोड और जवाहर मार्ग होंगे वन-वे, लागू हुई नई व्यवस्था

एमजी रोड और जवाहर मार्ग आठ जनवरी से वन-वे हो जाएंगे। अब वाहन बड़ा गणपति से कृष्णपुरा छत्री की तरफ जा तो सकेंगे लेकिन उन्हें इस मार्ग से वापस आने की अनुमति नहीं रहेगी। इसी तरह जवाहर मार्ग पर वाहन राजमोहल्ला से संजय सेतु तक तो जा सकेंगे लेकिन इसी मार्ग से वापस आने की अनुमति नहीं रहेगी।जवाहर मार्ग पर राजमोहल्ला से संजय सेतु तक की 1.8 किमी लंबी और एमजी रोड पर कृष्णपुरा पुल से बड़ा गणपति तक करीब 1.7 किमी सड़कें वन-वे हो जाएंगी। इन दोनों प्रमुख मार्गों को 40 से ज्यादा लिंक रोड (छोटी सड़कें) जोड़ती हैं। इन लिंक रोड पर सामान्य आवाजाही हो सकेगी। सोमवार सुबह 10 बजे महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात प्रबंधन मनीष कुमार अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात प्रबंधन अरविंद तिवारी सहित अन्य ने इस व्यवस्था का शुभारंभ किया। रविवार को ही पुलिस परेड ग्राउंड डीआरपी लाइन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अग्रवाल ने यातायात व्यवस्था में लगने वाले बल को दिशा निर्देश दिए गए थे। गौरतलब है कि शहर के बिगड़ते यातायात को देखते हुए चार दिन पहले ही इस बारे में हुई बैठक में एमजी रोड और जवाहर मार्ग के कुछ हिस्सों को एकांकी मार्ग करने का निर्णय लिया गया। वर्तमान में एमजी रोड पर दोनों तरह से वाहनों की आवाजाही होने से गोराकुंड, राजवाड़ा, टोरी कार्नर आदि जगह दिनभर जाम की स्थिति रहती है। इसी तरह जवाहर मार्ग पर भी नर्सिंह चौराहा, मालगंज चौराहों पर जाम लगता है। प्रारंभिक रूप से मार्गों को एकांकी करने की व्यवस्था एक सप्ताह के लिए की जा रही है। इसके बाद इसका विश्लेषण कर इसे स्थायी किया जाएगा। पहले भी हो चुके हैं ऐसे प्रयोग एमजी रोड और जवाहर मार्ग की यातायात व्यवस्था को सुधारने के प्रयोग इसके पहले भी हो चुके हैं। जवाहर मार्ग को पहली बार एकांकी मार्ग किया जा रहा है जबकि एमजी रोड को पहले भी एकांकी किया जा चुका है। गोराकुंड चौराहा से राजवाड़ा तक एकांकी मार्ग ही था, लेकिन इस सड़क के चौडीकरण के बाद वाहन चालक स्वत- ही राजवाडा से खजूरी बाजार होते हुए गौराकुंड तक जाने लगे थे। सोमवार से इस मार्ग को एकांकी करने के बाद जाम की समस्या से राहत मिलने की उम्मींद है।

रिठौरी में घर पर बंधी बछिया पर जंगली जानवर का हमला

पनागर वन क्षेत्र में आने वाले ग्राम रिठौरी में घर पर बंधी गाय की बछिया पर रात में जंगली जानवर में हमला कर घायल कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि रिठौरी के जंगलों में ठिकाना बना चुके तेंदुआ ने बछिया का शिकार करने के लिए हमला किया है, वहीं सूचना पाकर पहुंचे वन विभाग की टीम का कहना है कि जिस तरह से बछिया पर हमला हुआ है और जो पदचिंह मिले हैं उससे लगता है कि हमला लकड़बघ्घा या सियार ने किया होगा। क्योंकि जंगल से लगे गांव में इन दिनों लकड़बघ्घे और सियार भी घूमने लगे हैं। बहरहाल बछिया पर हुए हमले से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है।रात तीन बजे की घटना वन्यप्राणी विशेषज्ञ शंकरेंद्र नाथ ने बताया कि शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब तीन बजे नरेश दुबे के घर पर बंधी बछिया के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। कुछ देर बाद जब स्वजन बाहर निकल कर देखे तो बछिया के गले में दांत के निशान बने थे और रक्त बह रहा था। ग्रामीणों का कहना है कि संभवत- तेंदुआ बछिया का शिकार करने आया था। इसकी सूचना सुबह ग्राम पंचायत द्वारा वन विभाग को दी गई। वहीं ग्रामीणों ने अपने बच्चों को बाहर निकलने से भी मना कर दिया। इस संबंध में पनागर वन परिक्षेत्र के रेंजर सौरभ शर्मा ने बताया कि सूचना मिलने पर विभाग की टीम को रिठौरी भेजा गया था।

इंदौर के बड़ा गणपति और मरीमाता ब्रिज होंगे दो लेन, एलआइजी से नवलखा तक होगा फोर लेन

सिटी चीफ इंदौर।

एलआइजी चौराहा से नवलखा चौराहा तक बनने वाला 7.4 किमी लंबा बीआरटीएस एलिवेटेड ब्रिज चार लेन होगा जबकि मरीमाता और बड़ा गणपति पर बनाए जाने वाले ब्रिज दो लेन होंगे। इन ब्रिजों के तैयार होने के बाद शहर के यातायात को व्यवस्थित करने में बड़ी मदद मिलेगी। लगभग 12 वर्ष पहले शहर के एबी रोड को समाप्त कर बीआरटीएस बनाया गया था।नवलखा चौराहा से एलआइजी चौराहा तक चौड़ाई कम मिलने की वजह से यहां बाटलनेक रह गया। बीआरटीएस कारिडोर बनने के बाद मोटर व्हीकल लेन में अक्सर जाम की स्थिति बनती है। 12 वर्ष पहले जब बीआरटीएस शुरू हुआ था उस वक्त मोटर व्हीकल लेन में वाहनों की संख्या कम थी, लेकिन एक दशक में वाहनों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई। इसके चलते बाटलनेक में जाम लगता है। एमवायएच, पलासिया चौराहा पर तो स्थिति यह है कि वाहन चालक दूसरी-तीसरी बार में सिग्नल पार कर पाते हैं। लगभग यही स्थिति शिवाजी वाटिका चौराहा पर भी बनती है। इस समस्या का हल निकालने का प्रयास कई वर्षों से चल रहा था। आइडीए ने एलिवेटेड रोड के साथ बीआरटीएस का प्रस्ताव बनाया, लेकिन लागत अधिक होने की वजह से इसे निरस्त कर दिया गया। प्रदेश में सरकार बदलने के बाद यह प्रोजेक्ट पीडब्ल्यूडी के पास चला गया। अब एलआइजी चौराहा से नवलखा चौराहा तक बीआरटीएस एलिवेटेड ब्रिज बनने पर इस क्षेत्र के चौराहों पर लगने वाले जाम से निजात मिल सकेगी। मरीमाता चौराहा पर लगने वाले जाम से मिलगी मुक्ति मरीमाता चौराहा पर बनाए जाने वाला ब्रिज भी इस क्षेत्र की यातायात समस्या का बड़ा समाधान करेगा। हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि उज्जैन की तरफ से आकर पोलोग्राउंड की तरफ जाने वाली बसों और अन्य चार पहिया

वाहनों के लिए क्या व्यवस्था रहेगी। मरीमाता चौराहा पर चारों दिशाओं से यातायात का दवाब रहता है। सुभाष मार्ग और एमजी रोड से आने वाले वाहन और उज्जैन की तरफ से आने वाले वाहनों की वजह से 15वीं बटालियन की तरफ से पोलोग्राउंड की ओर जाने वाले वाहनों को जाम में फंसना पड़ता है। यहां ब्रिज बनने के बाद इस समस्या का समाधान निकल सकेगा। बड़ा गणपति चौराहा पर ब्रिज की आवश्यकता लंबे समय से महसूस हो रही थी। चौराहा पर ही बड़ा गणपति मंदिर की वजह से यातायात का दबाव रहता है। जिंसी की तरफ से आकर गंगवाल बस स्टैंड की तरफ जाने वाले वाहन यहां अक्सर उलझ जाते हैं। यहां ब्रिज बनने के बाद ये वाहन बगैर चौराहा पर रूके सीधी गंगवाल की तरफ निकल सकेंगे। महापौर ने दिया बड़ा गणपति चौराहा पर अंडर ब्रिज का सुझाव रविवार को हुई बैठक में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बड़ा गणपति चौराहा पर अंतिम चौराहा से निगम वर्कशाप तक बनाए जाने वाले ओवर ब्रिज के स्थान पर अंडर ब्रिज (सब वे) का सुझाव भी दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि गणपति चौराहा से कुछ ही मीटर दूरी पर व्यास पूल है जहां वर्षाकाल में अक्सर पानी भरा जाता है। अगर गणपति चौराहा पर अंडर ब्रिज बनाया जाता है तो इसमें वर्षाकाल में पानी भराने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। यही वजह है कि यहां ओवर ब्रिज पर विचार किया जा रहा है।

इंदौर में करीब 21 प्रतिशत लोगों का कोलेस्ट्राल बढ़ा हुआ

करीब 84 में विटामिन-डी की कमी

सिटी चीफ इंदौर।

खानपान के लिए मशहूर शहर में लोग अपनी सेहत पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। हाल ही में हुए हेल्थ आफ इंदौर के प्रिवेंटिव हेल्थ केयर सर्वे में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि करीब 20.6 प्रश लोग उच्च कोलेस्ट्राल से पीड़ित है, 11.14 प्रश लोग उच्च रक्त शर्करा से पीड़ित है। वहीं 7.76 प्रश लोगों में सीरम प्रोटीन का स्तर कम रहा।सर्वे का प्रकाशन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख मंडाविया की उपस्थिति में ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में हुआ। सर्वे में दो लाख से अधिक लोगों के सैंपल लिए गए, जिसमें 50.17 प्रश महिला और 49.83 प्रश पुरुष शामिल हैं। वहीं सर्वे में एडिशनल टेस्ट भी जोड़े गए जिसमें करीब 10 हजार लोगों की जांच की गई, जिसमें 83.54 प्रश लोगों में विटामिन डी की कमी पाई गई। वहीं 16.47 प्रश लोगों में विटामिन बी-12 की कमी और 12.68 प्रश का थायराइड हाई पाया गया। सर्वे के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्र से अधिक बीमारियां शहरी क्षेत्र में पाई गई है। शहर में जहां 20.06 प्रश लोगों में कोलेस्ट्रोल बढ़ा हुआ पाया गया, वहीं ग्रामीण में 13.79 प्रश लोगों में यह समस्या पाई गई। शहर में हर दूसरा व्यक्ति किसी बीमारी से पीड़ित सर्वे में सबसे चिंताजनक बात यह सामने आई है कि इंदौर में हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी बीमारी

से पीड़ित है। 2,00,104 लोगों की जांच में 49.30 प्रश असामान्य और 50.70 प्रश सामान्य पाए गए हैं। इसमें 50.17 प्रश महिलाएं और 49.83 प्रश पुरुष असामान्य पाए गए हैं। 21 से 30 वर्ष तक में 31.38 प्रश युवाओं में विटामिन डी की कमी है, जिसके कारण हड्डियों के रोग काफी बढ़ रहे हैं। इस आयु वर्ग में 14.85 प्रश का कोलेस्ट्रोल बढ़ा हुआ पाया गया है। 9.96 प्रश में विटामिन बी-12 की कमी पाई गई। इंदौर की तर्ज पर पूरे देश में होगा सर्वे केंद्रीय मंत्री मंडाविया ने कहा कि हेल्थ आफ इंदौर अभियान की तर्ज पर पूरे देश में प्रिवेंटिव हेल्थ केयर सर्वे करवाया जाएगा। प्रिवेंटिव हेल्थ केयर समय की सबसे बड़ी जरूरत है। बदलते समय में हमे भी बदलना होगा। स्वास्थ्य के प्रति जवाबदेह और जागरूक बनने की जरूरत है। हर व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना होगा, जिससे की वह स्वस्थ रहे। इससे जान-माल की दोनों की बचत होगी। नागरिकों को नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए। व्यायाम के लिए साइकिलिंग बेहतर माध्यम है। स्वस्थ नागरिक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है और स्वस्थ समाज बनता है, स्वस्थ समाज समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है। इस दौरान उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद शंकर लालवानी, सेंट्रल लेब डायरेक्टर डा. विनिता कोठारी, सावन लड्ढा आदि मौजूद रहे।

जलूद में स्थापित होने वाले सोलर प्लांट के टेंडर पर लग सकती है मुहर

सिटी चीफ इंदौर।

जलूद में स्थापित होने वाले सोलर प्लांट का काम निजी एजेंसी को सौंपे जाने के प्रस्ताव पर सोमवार को होने वाली महापौर परिषद की बैठक में मुहर लगा जाएगी। 28 अन्य प्रस्तावों पर भी चर्चा होगी। इनमें से ज्यादातर प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित हैं।इसके अलावा विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों व रेगपिकर्स को मासिक पास में दी गई 75 प्रतिशत छूट, सरवटे बस स्टैंड के नवीन भवन निर्माण कार्य की अतिरिक्त स्वीकृति, स्वच्छ भारत मिशन के तहत विभिन्न शहरों एवं देशों के प्रतिनिधियों के इंदौर स्वच्छता माडल भ्रमण के लिए वर्तमान शुल्क 700 रुपये से बढ़ाकर दो हजार रुपये करने, नगरीय सीमा में आने वाले नलकूपों, संपवेल, कुओं, फव्वारों में लगे सबमर्सिबल पंप के लीकेज सुधारने आदि के प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी। दो वर्ष में तैयार होगा सोलर प्लांट जलूद में स्थापित किया जाने वाले सोलर प्लांट के लिए नगर निगम ने फरवरी 2023 में ग्रीन बांड जारी किए थे। इसके जरिये 244 करोड़ रुपये एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। ग्रीन बांड को जनता का जबर्दस्त प्रतिसाद मिला और पहले ही तीन दिन में यह ओवर सबस्क्राइब हो गया। हालांकि इसके बाद निगम को निर्माण एजेंसी तय करने में लंबा समय लगा। दिल्ली की जिस कंपनी को यह काम सौंपा जाने वाला है। वह इसके पहले भी इस काम के लिए 350 करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रस्ताव दे चुकी है, लेकिन दर अधिक होने की वजह से दोबारा टेंडर बुलवाए गए। इसमें यह कंपनी 271 करोड़ रुपये में सोलर प्लांट का काम करने को तैयार हो गई है। अब महापौर परिषद की बैठक की स्वीकृति के बाद कंपनी के काम शुरू करने का रास्ता साफ हो जाएगा। अनुमान है कि यह प्लांट दो साल में तैयार हो जाएगा। इसके बाद नगर निगम को प्रतिमाह पांच से आठ करोड़ रुपये के बिजली खर्च में राहत मिलेगी।

नशे में धुत होकर एबुलेंस चला रहा था चालक, अनियंत्रित होने से तीन घायल

नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कालेज में रविवार की दोपहर एक एबुलेंस ने कोहराम मचाया। वाहन एकाएक अनियंत्रित हो गई और सामने खड़ी कार को टक्कर मारते हुए निकल गई। इस दौरान वाहन ने तीन लोगों को चपेट में लेकर घायल कर दिया। जिन्हें मामूली चोट आई है।गढ़ा थाने में इस संबंध में कोई शिकायत नहीं हुई है वैन नंबर एमपी 20 डीए 0183 ने मेडिकल परिसर में हंगामा किया। इलाज के लिए आए मरीज जो बाहर इंतजार कर रहे थे उन्हें वैन से टक्कर लगी। गढ़ा थाने में इस संबंध में कोई शिकायत नहीं हुई है। एक कार मालिक ने टक्कर मारने की बात कही नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कालेज में उपचार करवाने पहुंची सवित्री ने बताया कि एक एबुलेंस ने उसे टक्कर मार दी। उनके अनुसार चालक नशे में धुत था। वहीं एक कार मालिक ने भी गाड़ी में टक्कर मारने की बात कही। गढ़ा थाना प्रभारी ने कहा कि उनके पास एबुलेंस की टक्कर संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

इंदौर में सामान्य से छह डिग्री नीचे आया तापमान, 15 किमी रफ्तार से चली हवाएं

पूर्वी-उत्तर पूर्वी दिशा से हवा चलने से मौसम का मिजाज बदल गया। सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। सुबह पांच बजे दृश्यता 150 मीटर तक पहुंच गई। सुबह आठ बजे तक भी कोहरा छाया रहा। हवा चलने से ठंड बढ़ गई।रविवार सुबह आठ बजे से बूंदाबंदी शुरू हुई, जो 10 बजे तक चलती रही। देर रात को भी कई इलाकों में बारिश हुई। इसके बाद आसमान में बादल मंडराते रहे। धुंध छाई रहने से धूप भी नहीं निकली। सर्द हवाएं पंद्रह किमी रफ्तार से चली। इससे ठिठुरन महसूस हुई। रात आठ बजे हल्की वर्षा हुई। मौसम विभाग के मुताबिक दिन का तापमान सामान्य से छह डिग्री नीचे आया है, जो सीजन में सबसे कम रहा। सुबह कोहरा छाए रहने से इंदौर एयरपोर्ट पर कई उड़ानें प्रभावित रही। फ्लाइट एक से डेढ़ घंटे लेट रही। मगर एयरलाइंस कंपनियों ने उड़ानों को रद्द नहीं किया। दक्षिणी-पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर चक्रवाती हवाओं का घेरा बनने और दक्षिण गुजरात से दक्षिण पश्चिम उत्तर प्रदेश तक द्रोणिका गुजरने से प्रदेश का मौसम बदल गया है। साथ ही अरब सागर से नमी बनी। अधिकतम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से छह डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। सुबह 8.30 से रात 8.30 बजे तक 4.7 एमएम वर्षा हुई। सुबह पूर्वी और दक्षिण पूर्वी हवा 13 किमी और शाम को पूर्वी-उत्तर पूर्वी हवा पंद्रह किमी प्रति घंटा की गति से चली।

इंदौर में फार्म हाउस में जुआ-हुक्का पार्टी करते पकड़े गए कालोनाइजर और कारोबारी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। राजेंद्र नगर पुलिस ने शनिवार रात हाई प्रोफाइल पार्टी में दबिश दी। ड्रग्स पीने की सूचना पर पड़े छापे में 10 रईसजादे जुआ खेलते और हुक्का पीते पकड़े गए। सभी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।डीसीपी जोन-1 आदित्य मिश्रा के मुताबिक सूचना मिली थी कि शिवालय टाउनशिप के पीछे एक फार्म हाउस में पार्टी हो रही है, जिसमें नशीले पदार्थों का सेवन होगा। सादे कपड़ों में टीम भेज देर रात रेकी करवाई तो फार्म हाउस में थार, मर्सीडिज, बीएमडब्ल्यू जैसी लग्जरी कारें खड़ी मिलीं। रात करीब 12.30 बजे जोन-1 के एडीसीपी आलोक शर्मा, एसीपी रुबीना मिजवानी की टीम बनाकर दबिश दी गई। पुलिस ने मौके से गौरव मनोहर धवन (बसंतपुरी), आशु उर्फ लोकेंद्र बनवारीलाल अग्रवाल (अग्रवाल नगर), हरप्रीत दर्शनसिंह (एनएक्स विष्णुपुरी), संदीप जगदीपसिंह होरा (न्यू रानीपुरा), आकाश मनजीतसिंह चावला (सिल्वर स्प्रिंग), सिमरनीत जसपालसिंह चड्ढा (साकेत नगर), मनदीप महेंद्रसिंह होरा (प्रताप नगर), जसवीर महेंद्रसिंह (दिलपसंद ग्रीन), चरणदीप त्रिलोचनसिंह सलूजा (सिल्वर स्प्रिंग), गौतम नरेंद्र जैन (साकेत नगर) को गिरफ्तार किया। डीसीपी के मुताबिक आरोपित जुआ खेल रहे थे। पार्टी में प्रतिबंधित फ्लेवर के साथ हुक्का भी था। देर रात सभी के खिलाफ राजेंद्र नगर थाने में प्रकरण दर्ज किया गया। सभी आरोपित कालोनाइजर, फाइनेंसर और कारोबारी हैं। फार्म हाउस एक पेट्रोल पंप मालिक का है। ड्रग तस्करों की डीसीपी कार्यालय में परेड जोन-2 में डीसीपी अभिषेक आनंद के कार्यालय में ड्रग्स की खरीद-फरोख्त करने और पीने वालों की परेड हुई। सात थानों से करीब 50 आरोपितों को बुलाया और डोजियर तैयार करवाया। 11 के विरुद्ध धारा 110 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

ढांचे को गिराने के बाद माता-पिता को लिखा था पत्र, बरसों बाद पूरा हुआ सपना

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होना है। बरसों बाद राम मंदिर बनने से उन कारसेवकों की यादें ताजा हो चुकी हैं, जो 6 दिसंबर 1992 को विवादित ढांचा गिराने वालों में शामिल थे। इन कारसेवकों ने अपने अनुभव साझा किए।राजेश पाठक कहते हैं कि ढांचा गिराने के बाद वहां जो स्थिति बनी तो लगा कि घर पहुंचना मुश्किल है। माता-पिता को वहीं से पत्र लिखा था और आखिरी बार उन्हें अपने हाल-चाल बताए, जबकि अखिलेश तिवारी ने बताया कि ढांचा गिरने के बाद वहां कर्फ्यू की स्थिति बनी गई। बचते-बचाते निकलने के बाद भी पकड़े गए। दस दिन जेल में रहे, पर अब लगता है कि राम मंदिर का बरसों पुराना सपना पूरा हो गया। पहले भौगोलिक स्थिति का लिया जायजा कारसेवकों की लोकमान्य नगर की गुप्त वाहिनी में बजरंग दल के शहरी सहसंयोजक राजेश पाठक भी शामिल थे। वे बताते हैं कि 2 दिसंबर 1992 को इंदौर से अयोध्या के लिए गुप्त वाहिनी के कारसेवकों का दल रवाना हुआ। 50-70 कारसेवकों का अलग-अलग समूह बनाया। अगले दिन अयोध्या पहुंच गए। अर्जुनदास आश्रम में संगठन ने ठहरने की व्यवस्था करवाई।

चूंकि 1990 में कारसेवकों को घेरकर मारा था, जिसमें मेरा भाई घायल हुआ था। ऐसी परिस्थिति दोबारा न बनें, इसके लिए पहुंचते ही हम लोगों ने पूरे क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया। यह पता लगाने की कोशिश की गई कि कभी जवानों ने घेर लिया तो कौन-सा रास्ता निकलने के लिए सुरक्षित रहेगा। तीन दिन तक अलग-अलग समूह घूमता रहा। 6 दिसंबर 1992 की सुबह पहले चाय पीने गए। वहां एक बुजुर्ग सीआरपीएफ का आरक्षक मिला। पूछा कि इस बार भी गोली चलेगी तो उन्होंने कहा कि पिछली बार भी हमारी तरफ से कोई फायरिंग नहीं हुई थी। कुछ असामाजिक तत्वों ने चलाई थी। मगर इस बार यह नौबत नहीं आएगी। हिंदुत्व की भावना और भगवान राम के प्रति आस्था ने मन में जुनून पैदा कर दिया और सुबह बाबरी मस्जिद का ढांचा ढहाने के लिए देशभर से कारसेवक आए। महज कुछ मिनटों में मस्जिद का ढांचा गिरा दिया। सुरक्षाकर्मियों ने कारसेवकों को दौड़ा दिया। यहां-वहां से बचते-बचाते शाम 6 बजे अर्जुनदास आश्रम पहुंचा। ढांचा को तोड़ने के बाद वहां से छलांग लगाने से पैर में चोट आई। आश्रम के संत ने लगाने के लिए बाम दिया। दो दिन- रुकने के बाद अयोध्या से निकलने, मगर इंदौर पहुंचने के दौरान कई बार हमारी ट्रेन पर लखनऊ के बाद से हमला होने लगा। ट्रेन में सवार कारसेवकों ने वहां भी लोगों से लड़ाई की। बाद में पुष्पक ट्रेन से भोपाल आते समय इटारसी के पहले भी हमला हुआ। जैसे-तैसे मीनाक्षी ट्रेन में बैठक खंडवा पहुंचे। पाठक बताते हैं कि राम मंदिर का निर्माण होने जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि जीवन का एक काम पूरा होने जा रहा है। वैसे 4 फरवरी को मध्य भारत के पुराने कारसेवक वहां भगवान राम के दर्शन के लिए पहुंचने वाले है। पकड़े जाए तो चुप रहना कारसेवक अखिलेश तिवारी बताते हैं कि 1990 से लेकर 1992 के बीच मुझे चार बार कारसेवक बनकर अयोध्या जानने का मौका मिला।

जनजातीय संग्रहालय में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। सोमवार 08 जनवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी। बाग उत्सव - मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम की ओर से जवाहर चौक में स्थित मृगनयनी एंपोरियम में बाग उत्सव के तहत बाग प्रिंट के वस्त्रों की प्रदर्शनी लगाई गई है। बाग उत्सव का समय सुबह 11 बजे से रात आठ बजे तक है।माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मावन संग्रहालय के वीथि संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का शुभारंभ

आज होगा। प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है। पुरातत्व प्रदर्शनी - राज्य संग्रहालय में डा. वीएस वाकणकर पुरातत्व शोध संस्थान द्वारा प्रदेश भर में निष्पादित पुरातत्वीय कार्यों और शैलश्रालयों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। संगीत संध्या - शहीद भवन के नाटक शिवो अहम का मंचन शाम सात बजे से। निर्देशन संजय मेहता का है।

बीयू में विलंब शुल्क के साथ नौ जनवरी तक भरे जाएंगे पीजी परीक्षा के आवेदन

सिटी चीफ भोपाल।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) से संबद्ध कालेजों में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर नियमित / स्वाध्यायी / एटीकेटी परीक्षा के लिए नौ जनवरी तक विलंब शुल्क के साथ परीक्षा के आवेदन किए जा सकेंगे। बीयू से संबद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत प्रथम सेमेस्टर स्नातकोत्तर, जिनमें एमए,एमकाम,एमएससी,एमएससी होमसांइस, मास्टर आफ सोशल वर्क, एमए यौगिक सांइस / पीजी डिप्लोमा इन यौगिक सांइस नियमित / स्वाध्यायी या एटीकेटी परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा आवेदन पत्र आनलाइन भरे जाएंगे। 300 रुपये विलंब शुल्क के साथ नौ जनवरी तक आवेदन जमा होंगे। इसके अलावा विशेष विलंब फीस के साथ परीक्षा आवेदन परीक्षा शुरू होने से तीन दिन पहले तक जमा किए जा सकेंगे।भोपाल

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से सैनिक स्कूलों में छठवीं व नौवीं कक्षाा में प्रवेश के लिए 21 जनवरी को परीक्षा आयोजित की जाएगी। देशभर के 33 सैनिक स्कूलों और 19 नए सैनिक स्कूलों में 2024-25 में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मध्यप्रदेश के रीवा में सैनिक स्कूल संचालित हैं।सैनिक स्कूल में प्रवेश लेने की प्रवेश परीक्षा पेन पेपर मोड पर ओएमआर शीट पर लगेंगी। यह परीक्षा भोपाल सहित ग्वालियर, जबलपुर, रीवा और मंदसौर शहर में बने केंद्रों पर आयोजित की जाएगी।

बालिकाओं के मतांतरण का किया जाता था प्रयास, आंचल बाल गृह संचालक गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

परवलिया सड़क थाना इलाके के ग्राम तारासेवनिया मे संचालित आंचल बालगृह में मिली बालिकाओं ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। अपने बयानों में उन्होंने बताया कि बालिकाओं से आश्रम की साफ-सफाई करावाई जाती थी। साथ ही ईसाई धर्म के अनुसार पूजा प्रार्थना करने हेतु उत्प्रेरित / बाध्य किया जाता था। बयान दर्ज करने के बाद रविवार को बाल गृह संचालक अनिल मैथ्यू के खिलाफ दर्ज एफआइआर में धारा 3/5 धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम भी बढ़ा थी। साथ ही मैथ्यू को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। वहां से उसे जेल भेज दिया गया। परवलिया सड़क थाना पुलिस के मुताबिक चार जनवरी

को राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के दल ने आंचल बाल गृह का औचक निरीक्षण किया था। पता चला कि संस्था नियम विरुद्ध एवं अवैध रूप से संचालित हो रही थी। बाल संरक्षण अधिकारी रामगोपाल यादव की शिकायत पर बाल गृह के संचालक आरोपित अनिल मैथ्यू के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम की धारा-34,42 एवं 75 के तहत केस दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान बालिकाओं से पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि आंचल बाल गृह में उनसे भवन की साफ सफाई एवं अन्य कार्य कराये जाते थे। साथ ही ईसाई धर्म के अनुसार पूजा प्रार्थना करने हेतु उत्प्रेरित / बाध्य किया जाता था। जिस पर धारा 3/5 धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की गई। रविवार को गोविंदपुरा निवासी 49 वर्षीय अनिल पुत्र पीजे मैथ्यू को गिरफ्तार कर लिया गया।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को एमपी में इन 10 सीटों पर खतरा

नई रणनीति पर हो रहा काम

भोपाल। 2019 के लोकसभा चुनाव में छिंदवाड़ा को छोड़कर शेष 28 सीटों पर भाजपा जीती थी। इस बार छिंदवाड़ा लोकसभा सीट से भाजपा वरिष्ठ चेहरे को उतार सकती है। वहीं, संसदीय सीट भोपाल को लेकर भी निर्णय होगा। इधर, मध्य प्रदेश की 10 लोकसभा सीटें ऐसी हैं, जहां भाजपा को विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। इनमें छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र में आने वाली सभी सातों विधानसभा सीटें कांग्रेस ने जीती हैं। इसी तरह मुरैना की पांच, भिंड की चार, ग्वालियर की चार, टीकमगढ़ की तीन, मंडला की पांच, बालाघाट की चार, रतलाम की चार, धार की पांच और खरगोन लोकसभा क्षेत्र की आठ विधानसभा सीटों में से पांच पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है।भाजपा के लिए ये सीटें सुरक्षित भाजपा अब लोकसभा चुनाव में हारी हुई विधानसभा सीटों को लेकर मंथन करेगी और लोकसभा चुनाव की दृष्टि से इन सीटों पर मजबूत पकड़ बनाने में जुटेगी। भाजपा के लिए खजुराहो, होशंगाबाद, देवास, इंदौर और खंडवा लोकसभा क्षेत्र सुरक्षित है, यहां सभी विधानसभा सीटों पर भाजपा को जीत मिली है। 11 जनवरी को होगी बैठक लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर मध्य प्रदेश

भाजपा की चिंतन बैठक 11 जनवरी को प्रदेश भाजपा कार्यालय में होगी। मोहन सरकार बनने के बाद भाजपा कोर ग्रुप की यह पहली बैठक होगी। इसमें सभी वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी बैठक में उपस्थित रहेंगे। इसमें लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा होगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बूथ सशक्तिकरण की रणनीति के तहत बूथवार कार्ययोजना तय की जाएगी। बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद सहित कोर ग्रुप के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे।

प्लेटफार्म नंबर छह में 110 बिस्तरों के आश्रय स्थल का शुभारंभ

सिटी चीफ भोपाल।

महापौर मालती राय ने रविवार को प्लेटफार्म नंबर छह पर नवनिर्मित आश्रय स्थल का लोकार्पण किया। इसमें लोगों के ठहरने के लिए 110 विस्तरों की व्यवस्था रहेगी। साथ ही लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए यहां दीन दयाल रसोई का संचालन भी किया जाएगा।बता दें कि भोपाल मुख्य रेल्वे स्टेशन के प्लेट फार्म क्रमांक छह की ओर नवनिर्मित आश्रय स्थल (रैन बसेरा) का लोकार्पण करते हुए महापौर ने कहा कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित आश्रय स्थलों में आज एक नया आयाम और जुड़ गया है। इस रैन बसेरे में भोपाल के बाहर से आने वाले जरूरतमंद नागरिकों को सुविधा होगी। इसके साथ ही महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस आश्रय स्थल की व्यवस्थाओं को निरंतर बेहतर

बनाया रखा जाए और यहां आने वाले हर व्यक्ति की प्रविष्टि रजिस्टर आदि में अनिवार्य रूप से की जाए। महिला व पुरुष के लिए अलग व्यवस्था करीब एक करोड़ रुपये से बनाए गए इस रैन बसेरे में महिला व पुरुष के ठहरने की अलग व्यवस्था होगी। बीते एक वर्ष से इसका निर्माण कार्य चल रहा था। इसके निर्माण से भोपाल आने वाले यात्रियों को भी रात के ठहरने की सुविधा मिल सकेगी। रविवार को लोकार्पण के दौरान नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, पूर्व महापौर आलोक शर्मा और अपर आयुक्त टीना यादव समेत अन्य जनप्रतिनिधि व निगम अधिकारी मौजूद रहे।

रोजगार सहायक, सचिव और पीसीओ सहित उप-सरपंच पति पर मामला दर्ज

सिटी चीफ भोपाल।

भितरवार अनुभाग की ग्राम पंचायत किठोंदा में जीवित व्यक्तियों के मृत्यु प्रमाण पत्र षडयंत्र पूर्वक जारी करने का मामला सामने आया है। ऐसा करके शासन की अनुग्रह सहायता की राशि हड़पने का प्रयास किया गया। इस मामले की जांच उपरांत जिला पंचायत सीईओ विवेक कुमार के निर्देश कार्रवाई की गई है। भितरवार मुख्य कार्यपालन अधिकारी एलएन पिप्पल द्वारा ग्राम रोजगार सहायक की सेवा समाप्त करते हुए मामले के दोषी रोजगार सहायक, सचिव, पीसीओ का निलंबन कर दिया है।वहीं तीनों कर्मचारियों के साथ मामले में लिप्त उप सरपंच पति सहित चारों के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए पत्र भेजा गया था। इस पर भितरवार

पुलिस ने उपरोक्त चारों लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जिला पंचायत सीईओ विवेक कुमार के निर्देश पर पिछले रोज शनिवार को भितरवार जनपद सीईओ एलएन पिप्पल, परियोजना अधिकारी संजीव वशिष्ट, पंचायत निरीक्षक एमएल चिकवा ने मामले की गांव में पहुंचकर जांच की और ग्रामीण के कथन साक्ष्य के रूप में लिए, जिसमें जांच उपरांत ग्राम रोजगार सहायक भीकम सिंह, पंचायत सचिव वीरेंद्र सिंह राजोदिया, जन मित्र केंद्र प्रभारी जयधर राम पटेल भी मामले के लिप्त पाए गए। जांच के आधार पर भीकम सिंह पुत्र उत्तम सिंह ग्राम रोजगार सहायक निवासी ग्राम किठोंदा, वीरेंद्र सिंह राजोदिया सचिव ग्राम पंचायत किठोंदा, पंचम सिंह पुत्र प्रीतम सिंह जाटव उप सरपंच पति किठोंदा के अलावा जयधर राम पटेल पीसीओ जनपद पंचायत भितरवार के खिलाफ प्रतिवेदन दिया गया और इसके साथ पत्र थाने भेजा गया। जिसमें उक्त लोगों के खिलाफ आपराधिक केस दर्ज करने करने की मांग की गई थी जिस पर भितरवार पुलिस ने उपरोक्त चारों लोगों के खिलाफ जालसाजी की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

शादी का झांसा देकर युवती से तीन साल तक किया दुष्कर्म

सिटी चीफ भोपाल।

तीन साल तक शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पड़ाव थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2020 में महलगांव के रहने वाले मनोज जाटव से उसकी मुलाकात बैजाताल पर हुई थी। यहां दोनों में बातचीत होने लगी और फिर दोनों अच्छे दोस्त बन गए। एक दिन मनोज ने युवती को पड़ाव थाना क्षेत्र के एक होटल में मिलने बुलाया। जब युवती मिलने पहुंची तो उसे शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। इसके बाद मनोज और युवती लिवइन रिलेशनशिप में रहने लगे, लेकिन काफी समय बीत जाने पर भी युवक ने उससे शादी नहीं की। इस दौरान वह एक बच्चे की मां भी बन चुकी है। युवती का आरोप है कि युवक ने उसको तीन साल तक अपने साथ रखा और जब युवती ने विवाह करने

के लिए जोर डाला तो मारपीट कर अप्राकृतिक कृत्य कर दिया।आरक्षक से मारपीट का आरोपित पकड़ा वाहन चैकिंग के दौरान बाइक सवार युवक ने पुलिस के सिपाही से मारपीट और अभद्रता कर दी। हालांकि इसके बाद उसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। झांसी रोड यातायात थाने में पदस्थ उपनिरीक्षक लालबीराम भगत और आरक्षक कैलाशसिंह दोहरे बस स्टैंड तिराहा चेकिंग पाइंट पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। तभी केशरबाग की ओर से विपरीत दिशा से आ रही मोटरसाइकिल को पुलिस ने रोका। पुलिस को देखकर चालक गाड़ी मोड़कर भागने लगा, तभी उपनिरीक्षक लालबीराम भगत ने उसे पकड़ लिया तो युवक उपनिरीक्षक पर दबंगई दिखाते हुए उसके साथ अभद्रता करने लगा। यह देखकर आरक्षक कैलाशसिंह मौके पर पहुंचा और मामला शांत करवाने की कोशिश की, तो युवक ने अभद्रता कर आरक्षक से मारपीट कर दी। आरोपित की पहचान भिंड जिले के पानसिंह कुशवाह के रूप में हुई है। पुलिस ने उस युवक को पकड़ कर थाने ले जाकर उसके खिलाफ धारा 323, 294, 506, 353 भादंवि व हरिजन एक्ट का मामला दर्ज कर लिया।

भोपाल जिला बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए मतदान शुरू

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल जिला बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए मतदान सुबह आठ बजे से शुरू हो गया है। भोपाल जिला अभिभाषक संघ के द्वि-वर्षीय निर्वाचन वर्ष 2023-25 के लिए मतदान चल रहा है। मध्यप्रदेश स्टेट बार कौंसिल की वेरीफिकेशन लिस्ट के अनुसार 4616 अधिवक्ता मतदाता अपने मतों का प्रयोग करेंगे। इस चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह-सचिव, कोषाध्यक्ष एवं पुस्तकालयाध्यक्ष तथा पुरुष/महिला कार्यकारिणी सदस्य के 30 पदों हेतु 96 प्रत्याशी मैदान में है। मुख्य चुनाव अधिकारी रविंद्र तिवारी ने बताया कि निर्वाचन को निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए 17 अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी एवं लगभग 125 निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। वहीं निर्वाचन हेतु वोटिंग सोमवार को सुबह 8 बजे से शाम 5:30 बजे तक जिला न्यायालय परिसर भोपाल में आयोजित की गई है। मतदाताओं की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए 20 हजार वर्गफुट में पंडाल लगाया गया है

संपादकीय

बुंदेलखंड में तालाबों को नया जीवन देने की हो रही कोशिश

ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब पानी संबंधी विभिन्न जरूरतें पूरी करने के साथ भूजल-स्तर बनाए रखने का मुख्य आधार रहे हैं। विभिन्न कारणों से हाल के समय में उपेक्षा के कारण अनेक तालाब क्षतिग्रस्त हुए हैं। इस कारण बड़े जल-संकट के बीच अब उनकी रक्षा के कुछ महत्वपूर्ण प्रयास होने लगे हैं। विशेषकर बुंदेलखंड में ऐसे प्रयास काफी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वहां जल संतुलन बनाए रखने में तालाबों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लहार ठाकुरपुरा गांव (बबीना ब्लॉक, झांसी) में इसी नाम का विशाल, लगभग 87 एकड़ का तालाब आसपास के ग्रामीण इलाकों के लिए गौरवशाली धरोहर रहा है, पर हाल के वर्षों में जलकुंभी, मिट्टी-गाद आदि के चलते इसकी सुंदरता और उपयोगिता, दोनों कम होती जा रही थी। ऐसे में जब 'परमार्थ' संस्था ने तालाब की स्वच्छता के लिए जनसभा की, अभियान चलाया और प्रशासन से भी संपर्क किया, तो इसे काफी सहयोग मिला। मनरेगा के अंतर्गत अनेक हफ्ते तक तालाब की सफाई का अभियान चलता रहा। जलकुंभी और गाद की सफाई की गई तथा नहर का पानी तालाब में लाया गया। आसपास बाड़ लगाई गई और जमीन को पक्का किया गया। हालांकि अभी रोशनी की व्यवस्था और मरम्मत का कार्य होना शेष है, फिर भी तालाब बहुत सुंदर बन गया है। इसकी जल-ग्रहण क्षमता बढ़ी है और पानी साफ है। गांववासियों ने बताया कि एक छोटी नहर निकाल कर इससे सिंचाई की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। इसके अलावा, चंदेल राजाओं के समय से चले आ रहे एवं 100 एकड़ से बड़े क्षेत्र में फैले मानपुर के तालाब (जो इसी ब्लॉक में स्थित है) में एक छोटी नहर की व्यवस्था पहले से परंपरागत तौर पर रही है, पर इसमें बहुत टूट-फूट हो गई थी। परमार्थ संस्था ने यहां एक विशेष प्रयास कर इस नहर के किनारों की मरम्मत की एवं तालाब की सफाई भी करवाई। इस कारण गांववासियों को सिंचाई का बेहतर लाभ मिल रहा है। यह कार्य ऐसे समय में गैर-मशीनीकृत उपायों से किया गया, जब यहां लोगों को रोजगार की बहुत जरूरत थी। खजरा खुर्द गांव में पुराना तालाब नाम से विख्यात तालाब की उपयोगिता हाल के समय में सफाई न होने के कारण घट गई थी। परमार्थ संस्था व उससे जुड़ी महिला कार्यकर्ताओं-'जल सहेलियों' ने इसे पुनर्जीवित करने के लिए अभियान चलाया। इसके बाद किनारों की मरम्मत, मिट्टी-गाद हटाने, आसपास वृक्षारोपण आदि के कार्य हुए। तालाब की जल-ग्रहण क्षमता बढ़ने के साथ इससे आसपास के कुंओं का जल-स्तर भी बढ़ा। छतरपुर जिले (मध्य प्रदेश) के अंगरौठा गांव में महिलाओं ने 107 मीटर की नहर खोदने का कार्य बहुत कठिन परिस्थितियों में शुरू किया, ताकि यहां के सूखे पड़े तालाब में पानी पहुंच सके। बाद में उनके इस साहसी कार्य से प्रेरित होकर अन्य लोगों ने भी सहयोग किया। इसी जिले में गंगा नामक महिला ने अपनी सखियों के साथ एक उपेक्षित सूखे तालाब को फिर से पानीदार बनाया। इस तालाब के बारे में अंधविश्वास प्रचलित था कि जो इसका पुनरुद्धार करेगा, उसे हानि होगी, लेकिन गंगा ने लोगों को समझाया कि यह अंधविश्वास है और गांव की प्यास बुझाने का प्रयास इस कारण नहीं रुकना चाहिए। इन महिलाओं ने न केवल तालाब की सफाई की, बल्कि इसमें पानी भी पहुंचाया। देश में बुंदेलखंड जैसे कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां जल-संतुलन में तालाबों की विशेष भूमिका है और इनके निर्माण व रख-रखाव के लिए परंपरागत तकनीक व सामाजिक तौर-तरीके, दोनों प्रशंसनीय रहे हैं। इनसे आज भी सीखा जा सकता है। चाहे सभी घरों में नल आ जाएं, पर इन तालाबों का महत्व बना रहेगा और इनके संरक्षण पर ध्यान देना जरूरी है। इनमें जमा गाद-मिट्टी हटाकर इसकी जल-ग्रहण क्षमता भी बढ़ाई जा सकती है व किसानों को उपजाऊ गाद-मिट्टी अपने खेतों के लिए मिल जाएगी। अनेक स्थानों पर भूजल स्तर पहले ही बहुत नीचे चला गया है। यदि बोरवेल आदि से नलों के लिए भूजल का उपयोग किया जाएगा, तो ऐसे में जल-संतुलन बनाए रखने के लिए जरूरी है कि तालाबों में पहले से कहीं अधिक जल हो। इसलिए तालाबों की रक्षा एवं वर्षा जल संरक्षण का कार्य अब और महत्वपूर्ण हो गया है।

अब तक की उपलब्धियों को लेकर संतुष्ट नहीं बैठेंगे पीएम मोदी, भाजपा के लिए चलेंगे बड़ा दांव

'इंडिया' गठबंधन के भीतर सीटों के बंटवारे को लेकर चल रही खींच-तान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने गठबंधन का चेहरा पेश करने में असमर्थता के चलते आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को जीतने से रोक पाना विपक्षी गठबंधन के लिए दुर्गम चुनौती बन गया है। चुनौती की विकटता इससे समझी जा सकती है कि हममें से कई आगामी चुनाव को ऐसी स्पर्धा मान रहे हैं, जिसमें 'इंडिया'गठबंधन ने अब तक पहला कदम भी नहीं बढ़ाया है, जबकि भाजपा मंजिल पर दस्तक दे रही है। लेकिन एक व्यक्ति ऐसा कभी नहीं सोचेगा, और वह हैं प्रधानमंत्री मोदी। आगामी अप्रैल-मई में होने वाले 18वें लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरे कार्यकाल की तरफ बढ़ रहे नरेंद्र मोदी विपक्षी गठबंधन की तरफ से आने वाली हर चुनौती को, चाहे वह कितनी ही मामूली क्यों न हो, पूरी सतर्कता और गंभीरता से ले रहे हैं। नरेंद्र मोदी की तरफ से भाजपा को साफ निर्देश है कि विपक्षियों पर पूरी नजर रखें और उन्हें किसी भी हाल में अनियंत्रित न होने दें। इसलिए, वह चाहते हैं कि भाजपा उनके लिए वोट जुटाने के उद्देश्य से पूरी ताकत से काम करे। यही वजह है कि भाजपा की चुनाव-प्रबंधन रणनीति में विपक्ष के हर हमले का, वह कितना ही कमजोर क्यों न हो, मुंहतोड़ जवाब देने का संदेश जरूर शामिल होगा। चुनावी अभियानों में केंद्रीय मंत्रियों के जमावड़े और भाजपा की तरफ से खासकर ग्रामीण व शहरी गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों तक लक्षित ढंग से अपने संदेश पहुंचाने की व्यापक मुहिम देखने को मिले, तो हैरत नहीं होनी चाहिए। विभिन्न रणनीतिक सत्रों में मोदी अपनी पार्टी के नेताओं से लगातार कह रहे हैं कि उन्हें भारत के विकास की कहानी को लेकर जनता तक पहुंचना चाहिए और विपक्षियों की किसी भी चाल को हल्के में नहीं लेना चाहिए, चाहे वह 15 राज्यों की 100 लोकसभा सीटों को छूने वाली राहुल गांधी की नई यात्रा ही क्यों न हो। मोदी का भाजपा के रणनीतिकारों को संदेश साफ है कि नए और प्रभावशाली जनादेश के साथ सत्ता में लौटने के लिए हर मतदाता और हर राज्य महत्वपूर्ण है। चाहे उम्मीदवारों का चयन करना हो या क्षेत्रवार मुद्दे उठाने हों, अमित शाह की सीधी निगरानी में दोहरी जांच की व्यवस्था लागू की गई है। जब सब कुछ केंद्रीय नेतृत्व को ही करना है, तो मुमकिन है कि पार्टी के लोग आरामतलब और मनचाहे नतीजों के लिए प्रधानमंत्री की शख्सियत पर निर्भर हो जाएं। पर मोदी ऐसा होने नहीं देंगे। उन्होंने भाजपा के लिए ज्यादा संभावनाएं न रखने वाले राज्यों में भी दिखाया है कि वह कितनी ज्यादा कोशिशें करते हैं। तमिलनाडु के त्रिची में और केरल के त्रिशूर में उनकी सभाओं को ही देखें। इन राज्यों में मोदी ने हिंदुत्व के बजाय अपने विकास के एजेंडे के जरिये स्थानीय मतदाताओं से जुड़ने की कोशिश की। हां, थोड़ा-सा हिंदू पुट केवल क्षेत्र की आध्यात्मिक विरासत की ओर इशारा करने तक सीमित जरूर था।

उल्लेखनीय है कि पिछले कई वर्षों से भाजपा केरल और तमिलनाडु में जमीनी स्तर पर काम कर रही है, इससे बेफिक्र कि उसे मिल रहा समर्थन संसद या राज्य विधानसभाओं में सीटों में तब्दील हो रहा है या नहीं। जाहिर है कि एक अथक प्रचारक के रूप में मोदी समय और ऊर्जा का निवेश करने को तब भी तैयार हैं, भले ही रिटर्न की गारंटी न हो। मोदी ने अमित शाह और दूसरे चुनावी योद्धाओं को एहसास दिलाया है कि आगामी चुनाव में भाजपा के लिए दूसरे दलों की तुलना में दांव कहीं ज्यादा बड़ा है। 2024 में जीत भाजपा के लिए एक नए युग का द्वार खोलेगी, जो अगले एक दशक के लिए पार्टी को निर्विवाद रूप से सबसे आगे खड़ा कर देगी। नरेंद्र मोदी के अनुसार, यही वह समय होगा, जब देश के लिए सबसे अच्छी चीजें होनी तय हैं और 2047 तक सौ वर्ष के हो चुके आजाद भारत में भाजपा ही देश में महत्वपूर्ण बदलावों की अग्रदूत के रूप में देखी जाएगी। सभी भाजपा-विरोधी वोटों को एकजुट करने में विपक्ष कई चुनौतियों से जूझ रहा है। कुछ राज्यों में गठबंधन सहयोगी एक-दूसरे के विरोधी हैं, जिनमें से ज्यादातर एक खास क्षेत्र या सामाजिक समूह तक सीमित हैं, जो सहयोगियों को वोट हस्तांतरित करने की ताकत भी नहीं रखते। विपक्ष जहां नेतृत्व व आपसी संवाद के मुद्दे पर अनिश्चित है, और सिर्फ एक बात की रट लगा रहा है कि भाजपा की सीटें कम करके मोदी को रोकना होगा, वहीं, नरेंद्र मोदी की अपनी पार्टी पर पूरी पकड़ है।

पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल और विपक्षी कांग्रेस व माकपा सीटों को लेकर एक-दूसरे के दावों पर सवाल उठा रहे हैं। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के सबसे बड़ा घटक होने का दावा कर रही उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने 23 सीटों पर दावा किया है, जबकि बाकी 25 सीटें कांग्रेस और एनसीपी के बीच बंटेंगी। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ऐसे में, कांग्रेस व गठबंधन के दूसरे सहयोगियों की स्थिति की आसानी से कल्पना की जा सकती है।

चुनावी विश्लेषक 2024 के लोकसभा चुनाव को कांग्रेस के लिए अस्तित्व की लड़ाई मान रहे हैं। उनके लिए यह बनाओ या बिगाड़ो वाली स्थिति है। 2019 में भाजपा ने अपने दम पर 303 सीटें जीती थीं, जो 2014 की 282 सीटों से ज्यादा थीं। जबकि कांग्रेस को 52 सीटें मिली थीं। 2019 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के पास 332 सांसद थे और 'इंडिया' गठबंधन के मौजूदा 28 सदस्यों के पास 144 सीटे थीं। लेकिन 2019 के बाद से एनडीए की संरचना में बड़े बदलाव हुए हैं। अन्नाद्रमुक, जदयू और अकाली दल जैसे क्षेत्रीय दल उसका साथ छोड़ चुके हैं। फिर भी, 543 सदस्यीय लोकसभा की वर्तमान संरचना दर्शाती है कि 319 सांसदों के साथ एनडीए, 139 सीटों वाले 'इंडिया' गठबंधन से काफी आगे है। मौजूदा एनडीए सदस्यों का 2019 में संयुक्त वोट शेयर करीब 40 फीसदी था, जबकि 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगियों को 35 फीसदी वोट मिले थे। नरेंद्र मोदी का सपना 350 से ज्यादा सीटें और 40 से 50 फीसदी वोट शेयर पाने का है। जाहिर है कि वह अब तक की उपलब्धियों को लेकर संतुष्ट नहीं बैठेंगे और यकीनन एक नए कीर्तिमान की ओर बढ़ना चाहेंगे।

इस साल कब है मौनी अमावस्या?

माघ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को माघी अमावस्या या मौनी अमावस्या कहा जाता है। मौनी अमावस्या के दिन लोग पवित्र नदी में आस्था की डुबकी लगाते हैं। शास्त्रों में इस दिन मौन रहकर दान और स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस दिन किसी पवित्र नदी में स्नान के बाद दान करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। इस दिन किए गए दान-पुण्य और पूजन से अन्य दिनों की तुलना में हजारों गुणा पुण्य प्राप्त होता है और ग्रह दोषों के प्रभाव भी कम होते हैं। इस दिन प्रातः स्नान के बाद सूर्य को दूध, तिल से अर्घ्य देना भी विशेष लाभकारी होता है। ऐसे में चलिए जानते हैं इस साल मौनी अमावस्या कब है और इसका क्या महत्व है... **कब है मौनी अमावस्या ?** हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल माघ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि की शुरुआत 9 फरवरी को सुबह 8 बजकर 02 मिनट से होगी। अगले दिन यानी 10 फरवरी को सुबह 4 बजकर 28 मिनट पर इसका समापन होगा। ऐसे में इस साल 9 फरवरी को मौनी अमावस्या मनाई जाएगी। **मौनी अमावस्या का महत्व**- सभी अमावस्या तिथियों में मौनी अमावस्या को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। मौनी अमावस्या के दिन मौन रहना बेहद शुभ होता है। इस दिन सुबह किसी पवित्र नदी में स्नान जरूर करें। वहीं जो लोग किसी पवित्र नदी में स्नान करने में असमर्थ हैं वे घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। इसके अलावा अमावस्या के दिन तिल, तिल के लड्डू, तिल का तेल, वस्त्र और आंवला दान में देना शुभ माना जाता है। साथ ही इस दिन पितरों को अर्घ्य देना और पितृ तर्पण करना शुभ होता है।

ऐसे लोगों को जरूर दें बिना मांगे भी सलाह, जानिए क्या कहती है विदुर नीति

महात्मा विदुर अपने समय के काफी बुद्धिमान व्यक्ति थे। इनके द्वारा दी गई शिक्षा आज के समय में भी काफी ज्यादा प्रासंगिक है। महात्मा विदुर के पिता ऋषि वेदव्यास थे। इनका जन्म एक दासी के गर्भ से हुआ था। यही एक बड़ा कारण था, जिसके चलते तमाम गुणों से परिपूर्ण होने के बाद भी ये हस्तिनापुर के राजा नहीं बन पाए। इन्हें हस्तिनापुर का महामंत्री बनाया गया था। इनकी सोच काफी दूरदर्शी थी। विदुर और धृतराष्ट्र के मध्य हुए वार्तालाप को ही विदुर नीति के रूप में जाना जाता है। कूटनीति, युद्धनीति से लेकर राजनीति की बारीक से बारीक बातें आपको विदुर नीति में पढ़ने को मिलेंगी। महाभारत काल के ज्ञानियों में विदुर का भी नाम शामिल है। विदुर ने अपनी नीति में जीवन को सुगम और सरल बनाने के लिए कई बातों का जिक्र किया है। इसलिए महात्मा विदुर की नीति कलयुग में भी जीवन में उतारने योग्य है। कहा जाता है कि महाभारत में पांडवों को युद्ध जिताने के लिए विदुर की भूमिका बेहद खास थी। विदुर जी ने अपनी नीति में इस बात का उल्लेख किया है कि समाज में कुछ ऐसे लोग हैं जिन्हें बिन मांगे सलाह जरूर देनी चाहिए। आइए जानते है ऐसे कौन से लोग हैं जिन्हें विदुर जी ने बिन मांगे सलाह देने को कहा है।

संतान को दें बिन मांगे सलाह महात्मा विदुर कहते हैं कि संतान कैसी भी हो उसे सलाह देने से हिचकना नहीं चाहिए। महात्मा विदुर कहते हैं कि आपकी सलाह हो सकता है कुछ समय के लिए आपकी संतान को बुरी लगे, लेकिन आपकी सलाह भविष्य में उनके लिए सही साबित होगी। यदि आपको किसी की फिक्र है, आप उसका सदैव ध्यान रखने के लिए तत्पर रहते हैं लेकिन अगर वही लोग गलतियां करते हैं तो आपको उसकी गलती का एहसास दिलाने में जरा भी नहीं सोचना चाहिए। इसके बाद यह फैसला उन पर छोड़ देना चाहिए कि वो आपकी बात पर अमल करते हैं या नहीं। ऐसे करने से आपके मन में एक संतोष तो रहेगा कि आपने अपनी तरफ से प्रयास किया। महात्मा विदुर के अनुसार जो व्यक्ति आपकी सलाह के लिए लालायित रहता हो। जो सदैव चाहता हो कि आपकी सलाह उसके काम आ सकती है, उसे सलाह देने में बिल्कुल भी नहीं सोचना चाहिए। ऐसे व्यक्ति के भीतर किसी भी प्रकार का द्वेष भाव नहीं होता और न ही किसी प्रकार का अहंकार होता है।

विनायक चतुर्थी के दिन गणपति बप्पा को इन चीजों का लगाएं भोग, सभी संकट होंगे दूर

सनातन धर्म में विनायक चतुर्थी का अधिक महत्व है। हर महीने में चतुर्थी का त्योहार 2 बार आता है। विनायक चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणेश की पूजा करने का विधान है। इस बार पौष माह में विनायक चतुर्थी 14 जनवरी 2024 को है। मान्यता है कि विनायक चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा-व्रत करने से साधक के जीवन में खुशियों का आगमन होता है और सभी संकटों से छुटकारा मिलता है। धार्मिक मत है भगवान गणेश को पूजा के दौरान कुछ विशेष चीजों का भोग लगाने से गणपति बप्पा प्रसन्न होते हैं और पूजा का शुभ मिलता है। आइए जानते हैं विनायक चतुर्थी के दिन भगवान गणेश के भोग में किन चीजों को शामिल करना चाहिए।

1. भगवान गणेश को मोदक बेहद प्रिय है। विनायक चतुर्थी के दिन गणपति बप्पा के भोग में मोदक को जरूर शामिल करें। ऐसा करने से बप्पा जल्द प्रसन्न होतें हैं।
2. इसके अलावा गणपति बप्पा के भोग के लिए मोतीचूर के लड्डू भी बना सकते हैं। कहा जाता है कि इसका भोग लगाने से प्रेम संबंधों में खुशियों का आगमन होता है।
3. गुड का प्रयोग मीठे के तौर पर पूजा-पाठ के कार्यों में किया जाता है। विनायक चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणेश को गुड़ का भी भोग लगा सकते हैं।
4. गणपति बप्पा के भोग में केले को शामिल करना उत्तम माना गया है। इसलिए विनायक चतुर्थी के दिन भगवान गणेश के भोग में केले अवश्य शामिल करें।
5. अगर आपके विवाह में किसी तरह की कोई परेशानी आ रही है, तो ऐसे में भगवान गणेश को मालपुए का भोग लगा सकते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से विवाह के योग बनते हैं।
6. इसके अलावा विनायक चतुर्थी के दिन भगवान को रबड़ी का भोग लगा सकते हैं। इसका भोग लगाने से साधक के संकट दूर होते हैं।

भारत के अलग-अलग राज्यों में खास अंदाज से मनाई जाती है मकर संक्रांति

इस वर्ष 15 जनवरी को मकर संक्रांति मनाई जा रही है। यह हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है। इस दिन सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, इसलिए इसे मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। मकर संक्रांति का त्योहार भारत के कई राज्यों में मनाया जाता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान के बाद दान करने और खिचड़ी खाने का महत्व है। इस पर्व की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे पूरे भारत वर्ष में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। ऐसे में आइए आपको बताते हैं कि मकर संक्रांति को देश के किस राज्य में किस नाम से जाना जाता है और इसे किस तरह मनाया जाता है-उत्तर भारत में मकर संक्रांति को खिचड़ी के नाम से भी जाना जाता है। इस पावन अवसर पर लोग गंगा स्नान करते हैं। घाटों पर मेले आयोजित किए जाते हैं। मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन दान करने से पुण्य फल मिलता है, इसलिए इस दिन उड़द की दाल, चावल, तिल, खटाई और ऊनी वस्त्र दान करने की परंपरा है। दक्षिण भारत में भी इस पर्व को बड़े हर्षोल्लास से मनाया जाता है। दक्षिण भारत में यह पर्व चार दिनों तक चलता है, जिसे पोंगल के नाम से जाना जाता है। इस अवसर पर यहां चावल के पकवान और रंगोली बनाने की परंपरा है। साथ ही इस पर्व पर वर्षा, धूप और कृषि से संबंधित चीजों की पूजा अर्चना की जाती है। पंजाब और हरियाणा में मकर संक्रांति के अवसर पर लोहड़ी का पर्व मनाया जाता है। यहां लोहड़ी मकर संक्रांति के एक दिन पहले मनाई जाती है, जिसमें शाम के समय सब लोग एक जगह इकठ्ठा होते हैं। आग जलाकर लोग उसके इर्द गिर्द घूमते हैं और पूजा करते हैं। साथ ही इस दौरान भांगड़ा और गिद्दा किया जाता है। पंजाब और हरियाणा में मकर संक्रांति को माघी भी कहते हैं। गुजरात और राजस्थान में मकर संक्रांति को उत्तरायण कहते हैं। गुजरात में मकर संक्रांति बहुत धूमधाम से मनाया जाने वाला पर्व है। यहां मकर संक्रांति के मौके पर पंतग उत्सव का आयोजन होता है। राजस्थान और गुजरात में इस दिन बहुत बड़ा पर्व मनाया जाता है, जो दो दिनों तक चलता है। 14 जनवरी को उत्तरायण और 15 जनवरी को वासी-उत्तरायण (बासी उत्तरायण) के रूप में मनाया जाता है। असम में मकर संक्रांति को माघ बिहू के नाम से जाना जाता है, इसे भोगली बिहू भी कहा जाता है। यह पर्व असम में मनाया जाने वाला एक फसल उत्सव है, जो माघ के महीने में कटाई के मौसम के अंत का प्रतीक है। इस दौरान एक सप्ताह तक दावत होती है। माघ बिहू के दौरान असम में चावल से विभिन्न प्रकार के पकवान बनाए जाते हैं। इस दौरान शुंग पिठा, तिल पिठा आदि और नारियल की कुछ अन्य मिठाइयां बनती हैं। उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल में इस उत्सव को धूमधाम से मनाया जाता है। कुमाऊं में जहां इसे घुघुती भी कहते हैं, वहीं गढ़वाल में खिचड़ी संक्रांत कहा जाता है। इस दौरान कुमाऊं में घुघुती बनाई जाती है, जो एक मिठाई होती है। इसे आटे और गुड़ से बनाया जाता है। वहीं गढ़वाली घरों में खिचड़ी भी बनाई जाती है और उसे दान में भी दिया जाता है।

सलार-डंकी की कमाई में आया उछाल, एनिमल ने 38वें दिन के कलेक्शन से चौंकाया

बॉक्स ऑफिस के लिए नया साल अच्छा साबित हो रहा है। देश के दो बड़े सुपरस्टार शाहरुख खान और प्रभास की फिल्में इन दिनों टिकट खिड़की पर शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। एक्शन फिल्म सलार ने अब तक कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। वहीं, डंकी आम जनता के दिलों को जीतने में सफल रही है।

इसके अलावा बीते साल एक दिसंबर को रिलीज हुई एनिमल अब तक सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। आइए जानते हैं कि कौन सी फिल्म ने रविवार को कैसा प्रदर्शन किया। प्रभास ने सलार से दमदार वापसी की है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन ने भी अहम भूमिका निभाई है। दो दोस्तों के इर्द गिर्द बुनी गई यह कहानी लोगों को काफी पसंद आई है। यही वजह है कि टिकट खिड़की पर फिल्म ने शानदार कलेक्शन किया है। पहले हफ्ते में फिल्म ने सभी भाषाओं को मिलाकर 308 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 70.1 करोड़ का बिजनेस किया। ताजा आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने तीसरे रविवार को एक बार फिर से उछाल लेते हुए पांच करोड़ 75 लाख बटोरे हैं। अब फिल्म की कुल कमाई 392.94 करोड़ पहुंच गई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में यह फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी। शाहरुख खान के लिए साल 2023 काफी शानदार रहा। बीते साल उनकी तीनों फिल्में अपना जादू चलाने में कामयाब रहीं। जनवरी में आई पठान बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इसके बाद रिलीज हुई जवान उससे भी बड़ी हिट साबित हुई। अब डंकी टिकट खिड़की पर अपना जलवा दिखा रही है। 18वें दिन फिल्म ने चार करोड़ 25 लाख का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 216.57 करोड़ हो गई है। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी एनिमल बॉक्स ऑफिस पर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई है। पिता-पुत्र के रिश्तों पर आधारित इस फिल्म की कहानी ने दर्शक के दिलों को छू लिया है। यही वजह है कि इसे देखने के लिए लोग अब भी सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं। 38वें दिन फिल्म ने 45 लाख का कारोबार किया। अब फिल्म की कुल कमाई अब 550.52 करोड़ हो गई है।

अंजनाद्रि पर्वत की तरफ से आया रामजन्मभूमि मंदिर का चढ़ावा

चिरंजीवी का हर टिकट पर दान का एलान

तेजा सजा की फिल्म हुनमान आगामी 12 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। हाल ही में इसका प्री-रिलीज इवेंट हुआ। इस दौरान मेगास्टार चिरंजीवी भी मौजूद रहे। चिरंजीवी ने इवेंट में एक बड़ा एलान किया। अभिनेता ने बताया कि फिल्म हनुमान के निर्माता प्रति टिकट पर पांच रुपये अयोध्या में बन रहे मंदिर निर्माण के लिए दान देंगे। हनुमान का प्री रिलीज इवेंट रविवार को हैदराबाद में हुआ। मेगा स्टार इस दौरान चीफ गेस्ट के रूप में उपस्थित रहे। इवेंट के दौरान चिरंजीवी ने कहा, राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर हनुमान फिल्म की टीम को एक महत्वपूर्ण घोषणा करनी है।

टीम ने राम मंदिर निर्माण के लिए अपनी फिल्म के प्रत्येक टिकट से पांच रुपये दान करने का फैसला किया है। चिरंजीवी ने आगे कहा, मैं टीम की तरफ से इस बात का एलान कर रहा हूं। एक नेक फैसले लेने के लिए हनुमान की टीम को मेरी तरफ से हार्दिक बधाई। गौरतलब है कि राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 22 जनवरी को भव्य स्तर पर होने वाला है। बता दें कि हनुमान एक सुपरहीरो फिल्म है। इसका निर्देशन करने के साथ-साथ प्रशांत वर्मा ने इसे लिखा भी है। फिल्म में तेजा सजा लीड रोल अदा कर रहे हैं। उनके अलावा विनय राय भी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म हनुमान में अमृता अय्यर, वरलक्ष्मी सरथकुमार और राज दीपक शेट्टी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। हनुमान प्रशांत वर्मा के सिनेमैटिक यूनिवर्सकी पहली किस्त है। इसके बाद अधीरा आएगी। गुंटूर करम, वेंकटेश की सैंधव और नागार्जुन की ना सामी रंगा भी संक्रांति के मौके पर हनुमान के साथ रिलीज होंगी।फिल्म के नाम को लेकर भी लोगों में शुरू से भ्रम रहा है। बीते दिनों हनुमान के नाम को लेकर भ्रम के बारे में इसके निर्देशक प्रशांत वर्मा ने अपनी राय स्पष्ट की। निर्देशक प्रशांत वर्मा ने 'अमर उजाला' से एक खास बातचीत में तब बताया था कि ये फिल्म कल्पना और पौराणिक कथाओं का संगम है। उन्होंने आगे कहा,'टीजर में इसका नाम हमने 'हनुमान' ही रखा है ,लेकिन कुछ लोगों ने इसे 'हनु-मैन' कहकर भी बुलाना शुरू कर दिया। मुझे दोनों नाम स्वीकार्य हैं, क्योंकि फिल्म में हनुमान भी हैं और हनु-मैन भी।

'आलिया भट्ट और रणबीर कपूर राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का हिस्सा बनेंगे, मिला निमंत्रण

डेस्क। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। भव्य श्रीराम मंदिर का 22 जनवरी को उद्घाटन होने जा रहा है। इस मौके पर राजनीति जगत ही नहीं, बल्कि फिल्मी जगत की भी तमाम हस्तियों को बुलावा भेजा गया है। बीते दिन गायक सोनू निगम को भी निमंत्रण दिया गया। वहीं, अब इस लिस्ट में आलिया भट्ट और रणबीर कपूर का नाम भी शामिल हो गया है। दोनों ने निमंत्रण स्वीकार किया है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर को अयोध्या के राम मंदिर के उद्घाटन समारोह का निमंत्रण मिला है। दोनों सितारों को श्री राम जन्मभूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर, आरएसएस कोंकण के प्रांत प्रचार प्रमुख अजय मुडपे और निर्माता महावीर जैन से निमंत्रण मिला है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने इसकी एक तस्वीर भी साझा की है। श्री राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में रणबीर और आलिया के अलावा अमिताभ बच्चन, माधुरी दीक्षित, टाइगर श्रॉफ, अनुपम खेर, अक्षय कुमार, आयुष्मान खुराना, सनी देओल और अजय देवगन और सोनू निगम साउथ सुपरस्टार यश और प्रभास समेत कई स्टार्स को न्योता भेजा गया है। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। जनवरी में पूरे विश्व से लाखों श्रद्धालु अयोध्या और प्रदेश के अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक, सांस्कृतिक शहरों की यात्रा करेंगे। ऐसे में, उन्हें अयोध्या के खोए वैभव की छवि दिखाने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए यहां आने वाले अन्य प्रांतों के श्रद्धालुओं को अयोध्या में तीर्थ स्थलों के दर्शन के साथ ही यहां की समृद्ध विरासत के साक्षात्कार के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

जवाब जानने के लिए भी ये फिल्म देखना मुश्किल

'गदर 2' से कहां आकर गिरीं अमीषा पटेल?

त्रिया चरित्रम् पुरुषस्य भाग्यम देवो न जानाति कुतो मनुष्य-फिल्म तौबा तेरा जलवा की ये टैगलाइन ही इस फिल्म को बनाने वालों की मनोदशा बता देती है। इक्कीसवीं सदी में आकर भी अगर कोई बात इतनी रुढ़िवादी लगे तो इस पर बनी फिल्म कैसी होगा, अंदाजा लगाया जा सकता है। जिस बात का अंदाजा नहीं लग पाता है वह ये कि गदर 2 की जबरदस्त कामयाबी के बाद अभिनेत्री अमीषा पटेल फिल्म तौबा तेरा जलवा जैसी फिल्म भी कर सकती हैं। अमीषा पटेल की नई फिल्म समझ कर दर्शक एक बार थियेटर में घुस तो सकते हैं, लेकिन उनकी यह सबसे बड़ी भूल होगी। और, फिल्म देखकर तौबा कर लेंगे।

फिल्म तौबा तेरा जलवा की कहानी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक दबंग रियल एस्टेट व्यवसायी रोमी त्यागी के इर्द गिर्द घूमती है। रोमी त्यागी का रुआब ऐसा कि पुलिस महकमे से लेकर राजनीति में भी उनकी दबंगई का सिक्का चलता है। और, राजनीतिक पार्टियां चाहती हैं कि रोमी त्यागी उनकी पार्टी से चुनाव लड़े। रोमी त्यागी की पत्नी रिंकू कुमार पूरी तरह से पतिभक्त हैं। इनके वैवाहिक जीवन में तूफान तब आया है जब रोमी त्यागी के घर में प्रोफेसर सैय्यद और लैला खान की एंट्री होती है। कहने को तो प्रोफेसर सैयद और लैला खान पति पत्नी है, लेकिन फिल्म में दोनों अजनबी की तरह दिखते हैं। यहीं पर दर्शकों को यह बात समझ में जाती है कि प्रोफेसर सैयद और लैला खान, रोमी त्यागी के खिलाफ कोई बड़ी साजिश कर रहे हैं। और, होता भी कुछ कुछ ऐसा ही है।

फिल्म के लेखक-निर्देशक ने कहानी का आधार जरूर संस्कृत के श्लोक त्रिया चरित्रम् पुरुषस्य भाग्यम देवो न जानम कुतो मनुष्य को बनाया जरूर है, लेकिन कहानी में इतनी सारी घटनाओं का कॉकटेल है कि कहानी मूल कथानक से शुरू से लेकर अंत तक भटकती रहती है। प्रोफेसर सैयद बार संस्कृत के इस श्लोक को फिल्म में दोहराते रहते हैं, इसलिए फिल्म तौबा तेरा जलवा की कहानी आगे चलकर क्या मोड़ लेने वाली है, पहले से समझ में आती रहती है। उत्तर प्रदेश की राजनीति, रियल एस्टेट में चल रही गला काट प्रतिस्पर्धा से लेकर फिल्म की कहानी समलैंगिक संबंधों पर आकर खत्म हो जाती है। फिल्म के अंतिम पांच मिनट को छोड़ दे, तो पूरी फिल्म असरहीन दिखती है।

आकाशादित्य की लिखी फिल्म तौबा तेरा जलवा की कहानी, पटकथा तो कमजोर है ही, उनका निर्देशन भी फिल्म को कोई सही दिशा नहीं दे पाता है। ड्रेस कंटीन्यूटी में भी जबरदस्त झोल हैं। फिल्म का हीरो जब जेल में जाता है तो वह अपने हीरो वाले ही ड्रेस रहता है और हर सीन में उसकी ड्रेस बदल भी जाती हैं और जेल किसी एंगल से भी जेल नहीं लगता। जेल में रोमी त्यागी, जेलर से इस तरह से पेश आता जैसे वह किसी मामूली से कांस्टेबल पर अपना रौब झाड़ रहा हो। कोर्ट में पेशी के दौरान रोमी त्यागी को पुलिस इंस्पेकर भागने में क्यों मदद करता है, यह बात भी स्पष्ट नहीं होती। भागते वक्त पुलिस उससे 10 कदम की ही दूरी पर पीछा करती है और उसे पकड़ नहीं पाती। फिल्म में ऐसे बहुत सारे दृश्य है, जो दर्शक की बुद्धिमत्ता का इम्तिहान लेते रहते हैं।फिल्म तौबा तेरा जलवा देखकर लगता है कि अमीषा पटेल ने इस फिल्म की शूटिंग तब की होगी, जब फिल्म गदर 2 की रिलीज की दूर दूर तक कोई चर्चा नहीं थी। अगर इस फिल्म का ऑफर उन्हें गदर 2 के बाद आया होता तो शायद वह ये फिल्म नहीं करती। एक कलाकार की प्रतिभा का सही आकलन तब होता है जब वह अछे निर्देशक के साथ काम करता है। फिल्म में उन्होंने लैला खान का किरदार निभाया है। लेकिन वह अपनी भूमिका के साथ पूरी तरह से न्याय नहीं कर पाई। रोमी त्यागी की भूमिका जतिन खुराना ने निभाई है। संवादों की की गहराई और सीन की सिचुएशन वह समझ ही नहीं पाए। रिंकू कुमारी की भूमिका में एंजेला क्रिस्लिनजकी का काम सराहनीय रहा। प्रोफेसर सैयद की भूमिका में राजेश शर्मा ने वैसा ही अभिनय कर दिया है, जैसा वह हर फिल्मों में करते आए हैं। हां, जेलर की भूमिका में अनिल रस्तोगी ने अपना अछा प्रभाव छोड़ा है, भले ही इनकी भूमिका छोटी है, लेकिन जब वह स्क्रीन पर नजर आते है, तो वह सीन पूरी तरह से उनका ही लगता है। पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका में नीरज सूद ने भी अपनी तरफ से पूरी मेहनत करने की कोशिश की है। एक औसत से कमतर फिल्म की सिनेमाटोग्राफी, संकलन, संगीत और बैकग्राउंड स्कोर भी औसत से नीचे ही है।

बिग बॉस में हुआ चौंकाने वाला नॉमिनेट केवल 2 कंटेस्टेंट सुरक्षित

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 17' फिनाले की ओर तेजी से बढ़ रहा है। अब हर एक दिन सभी कंटेस्टेंट के लिए चुनौती भरा है। सभी की कोशिश फाइनलिस्ट बनने की होगी। ऐसे में नॉमिनेशन में नाम आना किसी खतरे से कम नहीं है। कोई भी कंटेस्टेंट इस मुकाम तक आकर घर तो नहीं जाना चाहेगा। रविवार को शो में नॉमिनेशन टास्क हुआ और जानकर हैरान होंगे कि इस हफ्ते केवल 2 लोग सुरक्षित हैं। इसका मतलब है कि 7 लोग नॉमिनेट हुए हैं। फैन्स को अपने चहेते कंटेस्टेंट को सुरक्षित करने के लिए पूरा जोर लगाना होगा। यह एपिसोड सोमवार को प्रसारित होगा।

नॉमिनेशन में इन 7 लोगों का नाम नॉमिनेट हुए कंटेस्टेंट की जानकारी आई है। 'बिग बॉस' के फैन पेज द खबरी ने बताया कि केवल अंकिता लोखंडे और ईशा मालवीय इस हफ्ते सुरक्षित हुई हैं।

बाकी सभी लोग नॉमिनेट हुए हैं। जिन लोगों पर खतरा मंडरा रहा है उनके नाम हैं- अरुण माशेट्टी, समर्थ जुरेल, आयशा खान, अभिषेक कुमार, मन्नारा चोपड़ा, विकी जैन और मुनव्वर फारूकी।

कौन होगा शो से बाहर? कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा, 'अरुण तो गयो समझो।' एक ने कहा, 'आयशा ही जाएगी इस बार पक्का।' एक यूजर लिखते हैं, 'अरुण के जाने का टाइम आ गया है।' एक अन्य ने कहा, 'चिंटू और अरुण दोनों को एलिमिनेट हो जाना चाहिए अब। ज्यादातर लोगों ने अरुण का ही नाम लिया है।'

छाया रहा अभिषेक के एविक्शन का मुद्दा 'बिग बॉस 17' में समर्थ जुरेल को थप्पड़ मारने के बाद अभिषेक कुमार की वापसी हो गई है। शनिवार को वीकेंड का वार में अभिषेक का एविक्शन ही छाया रहा। सलमान ने समर्थ को जमकर फटकारा। उन्होंने अंकिता और अन्य कंटेस्टेंट से यह सवाल पूछा कि अगर समर्थ जुरेल और ईशा मालवीय ने अभिषेक को उकसाया नहीं होता तो उनका क्या रिएक्शन होता। सलमान ने कहा कि यह समर्थ की प्री-प्लानिंग थी कि अभिषेक को इस तरह से बाहर किया जाए। उन्होंने मुनव्वर फारूकी को भी डांट लगाई कि जब समर्थ उकसा रहे थे तो किसी ने उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की।

सिंगल कॉलम

दिल्ली पुलिस फिजिकल टेस्ट का शेड्यूल जारी, इन डॉक्यूमेंट्स को लेकर जाएं साथ

दिल्ली पुलिस ने फिजिकल एंड्योरेंस एंड मेजरमेंट टेस्ट परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। फिजिकल एंड्योरेंस एंड मेजरमेंट टेस्ट के लिए योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट delhipolice.gov.in के माध्यम से परीक्षा शेड्यूल देख सकते हैं और अपना एडमिट कार्ड भी डाउनलोड कर सकते हैं। दिल्ली पुलिस की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है, शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे पीई और एमटी के लिए अपने एडमिट कार्ड/ई-प्रवेश प्रमाणपत्र डाउनलोड करने के लिए दिल्ली पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट https://delhipolice.gov.in पर जाएं। उम्मीदवारों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे अपने सभी मूल दस्तावेज/प्रमाणपत्र (अर्थात एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/पहाड़ी क्षेत्र/डब्ल्यूपीपी/एनओसी या भूतपूर्व सैनिक/विभागीय और खेल आदि के मामले में डिस्चार्ज बुक) परीक्षा के दिन अपने साथ लेकर आएं। इसके साथ ही पीई एंड एमटी सभी दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों की फोटोकॉपी का एक सेट साथ लेकर आएं।

जेकेएसएसबी सहायक वैज्ञानिक अधिकारी भर्ती परीक्षा की उत्तर कुंजी जारी, ऐसे उठा सकते हैं आपत्ति

जम्मू और कश्मीर सेवा चयन बोर्ड ने सहायक वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन विज्ञान और विष विज्ञान) और सहायक वैज्ञानिक अधिकारी (नारकोटिक्स), गृह विभाग भर्ती परीक्षा की अनंतिम उत्तर कुंजी जारी कर दी है। जो उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए थे, वे आधिकारिक वेबसाइट jkssb.nic.in के माध्यम से उत्तर कुंजी चेक और डाउनलोड कर सकते हैं। सहायक वैज्ञानिक अधिकारी पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 6 जनवरी को आयोजित की गई थी। उम्मीदवार निर्धारित प्रारूप में अपनी आपत्तियां और अभ्यावेदन दावे को पुष्ट करने वाले दस्तावेज/साक्ष्य (केवल हार्ड कॉपी) और लेखा अधिकारी, जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड के पक्ष में प्रति प्रश्न 200 रुपये के शुल्क के साथ जमा कर सकते हैं। आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है, आपत्तियां/अभ्यावेदन केवल ऑफलाइन मोड में, जेकेएसएसबी, सीपी0 चौक, पंजतीर्थी, जम्मू/जेकेएसएसबी, जमजम बिल्डिंग, रामबाग, श्रीनगर के कार्यालय में 08-01-2024 से शुरू होने वाले तीन कार्य दिवसों पर, कार्यालय समय के दौरान प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

मोदी सरकार ने बेचा रिकॉर्ड 12 टन सोना

गोल्ड बॉन्ड के लिए टूट पड़े निवेशक

नई दिल्ली। मोदी सरकार का सस्ता सोना यानी सॉवरने गोल्ड बॉन्ड की इस बार रिकॉर्ड बिक्री हुई है। इसमें इन्वेस्टमेंट को लेकर आम लोगों ने जबरदस्त उत्साह दिखाया है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सॉवरने गोल्ड बॉन्ड की जारी तीसरी सीरीज में निवेशकों ने रिकॉर्ड खरीदारी की है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, इस सीरीज में 1 करोड़ 21 लाख 06 हजार 807 ग्राम (12.11 टन सोने के बराबर) की खरीदारी की गई, जो किसी भी सीरीज में सर्वाधिक है। यह सीरीज 18 से 22 दिसंबर 2023 के बीच जारी हुई थी, जो 66वां सॉवरने गोल्ड बॉन्ड था। इसका मूल्य 6,199 रुपये प्रति ग्राम तय किया गया था। इससे पहले सबसे ज्यादा 1 करोड़ 16 लाख 73 हजार 960 ग्राम सोने (11.67 टन सोने के बराबर) की खरीदारी 65वें सॉवरने गोल्ड बॉन्ड के लिए हुए थी। यह मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी सीरीज थी, जो 20 सितंबर 2023 को जारी की गई थी।

इसलिए बढ़ा आकर्षण दिसंबर 2017 में जारी देश के पहले सॉवरने गोल्ड बॉन्ड से मिले शानदार मुनाफे ने निवेशकों को उत्साहित किया है। पहले बॉन्ड में निवेशकों को 157 फीसदी से ज्यादा का कुल रिटर्न और 12 फीसदी से ज्यादा का वार्षिक रिटर्न मिला था। वहीं, परिपक्वता अवधि पूरी होने से पहले सॉवरने गोल्ड बॉन्ड को बेचने से होने वाला मुनाफा भी करीब 100 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दे रहा है।

सोने की कीमतों में उछाल विशेषज्ञों का कहना है कि सोने के दाम में तेजी बरकरार रहने की संभावना ने भी निवेशकों को गोल्ड बॉन्ड में निवेश के लिए प्रेरित किया है। तीसरी सीरीज के आने से पहले सोने की कीमतें 4 दिसंबर 2023 को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपने सर्वकालिक स्तर पर पहुंच गई थी। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि सोने की कीमतें 2024 के अंत तक घरेलू बाजार में 70 हजार के स्तर को पार कर सकती हैं।

अब तक 134 टन की खरीदारी आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 1 जनवरी 2024 तक कुल 13 करोड़ 41 लाख 75 हजार 808 ग्राम (134.17 टन सोने के बराबर) सॉवरने गोल्ड बॉन्ड की खरीद हुई है। इसमें पहले बॉन्ड की खरीदारी का आंकड़ा शामिल नहीं है, क्योंकि यह बॉन्ड 30 नवंबर 2023 को परिपक्व हो गया। इस सीरीज के लिए 0.91 टन सोने के बराबर बिक्री हुई थी।

क्या है गोल्ड बॉन्ड यह सरकार की ओर से जारी निवेश पत्र (बॉन्ड) है। यह सोने में निवेश का विकल्प है। इसे सरकार की ओर से रिजर्व बैंक जारी करता है। इसकी खरीदारी म्यूचुअल फंड की तरह यूनिट में की जाती है। इसे बेचने पर सोना नहीं बल्कि उस समय उसके मौजूदा मूल्य के आधार पर राशि मिलती है। इसमें न्यूनतम एक ग्राम सोने के बराबर राशि निवेश कर सकते हैं।

सुविधाः कारोबारी अब क्रेडिट और डेबिट कार्ड से भी चुका सकेंगे जीएसटी

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने कारोबारियों के लिए नई सुविधा की शुरुआत की है। इसके तहत कारोबारी अब क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड के माध्यम से भी जीएसटी का भुगतान कर पाएंगे। जीएसटी नेटवर्क ने इस सेवा को सक्रिय कर दिया है।

10 राज्यों में शुरू हुई सेवा जीएसटीएन के मुताबिक, फिलहाल 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कारोबारियों को सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इनमें दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे प्रदेश शामिल हैं। जीएसटी चालान बनाते समय कारोबारियों को जीएसटी भुगतान का तरीका चुनना होगा। इसमें क्रेडिट और डेबिट कार्ड का विकल्प भी जोड़ दिया गया है। बाद में सभी राज्यों में इस सेवा कर विस्तार कर दिया जाएगा।

अभी यह विकल्प उपलब्ध वर्तमान में

व्यापारी जीएसटीएन पोर्टल पर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से भुगतान कर सकते हैं। अभी ऑनलाइन तरीकों में नेट बैंकिंग, तत्काल भुगतान सेवाएं और एकीकृत भुगतान इंटरफेस शामिल हैं। 65 फीसदी बढ़े जीएसटी दाखिल करने वाले= देश में जीएसटी रिटर्न दाखिल करने वालों की संख?या में पिछले पांच वर्षों में 65 फीसदी का इजाफा हुआ है। अप्रैल 2023 तक जीएसटी रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या 1.13 करोड़ हो गई। वहीं, जीएसटी के तहत पंजीकृत सक्रिय करदाताओं की संख्या बढ़कर 1.40 करोड़ हो गई है, जो अप्रैल 2018 में 1.06 करोड़ थी।

पिछले महीने 1.64 लाख करोड़ रुपये रहा जीएसटी कलेक्शन दिसंबर 2023 में कुल जीएसटी वसूली 1.64 लाख करोड़ रुपये रही। सालाना आधार पर जीएसटी कलेक्शन में 10 फीसदी का उछाल आया है। खास बात यह है कि दिसंबर सातवां महीना रहा, जिसमें 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक का जीएसटी कलेक्शन हुआ। **इन कार्ड नेटवर्क पर सुविधा** व्यापारी रूपे, मास्टरकार्ड, वीज़ा और डायनर्स द्वारा संचालित सभी क्रेडिट/डेबिट कार्ड से भुगतान कर सकते हैं। 5 करोड़ से अधिक के कारोबार पर ई-चालान जरूरी= पांच करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार वाली कंपनियों और कारोबारियों के लिए ई-चालान अनिवार्य होगा। इसके बिना वे ई-वे बिल जारी नहीं कर पाएंगे।

यह व्यवस्था एक मार्च 2024 से लागू होने जा रही है। जीएसटी नियमों के अनुसार 50 हजार रुपये से अधिक मूल्य के सामान को एक राज्य से दूसरे राज्य के बीच ले जाने के लिए कारोबारियों को ई-वे बिल की आवश्यकता पड़ती है। सरकार की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह नियम केवल ई-चालान के पात्र जीएसटी चुकाने वालों पर ही लागू होगा। ग्राहकों और अन्य तरह के लेनदेन के लिए ई-वे बिल जेनरेट करने के लिए ई-चालान की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। ऐसे में ये ई-वे बिल पहले की तरह ही जारी होते रहेंगे।

खेल/प्राणायाम/अरोग्य

शाकिब अल हसन फिर विवादों में, सेल्फी ले रहे फैन को मारा थप्पड़, वीडियो ने मचाया बवाल

नई दिल्ली । बांग्लादेश के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन भरी सभा में एक व्यक्ति को थप्पड़ मारने के बाद एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। दुर्भाग्य से, यह घटना एक कैमरे द्वारा रिकॉर्ड की गई और वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आग की तरह फैल रहा है। कथित तौर पर, यह घटना तब घटित हुई जब शाकिब व्यक्तिगत रूप से प्रक्रिया की निगरानी करने के लिए मतदान केंद्रों पर गए, जब मतदान चल रहा था। चूंकि शाकिब देश के एक प्रमुख सेलिब्रिटी हैं, इसलिए उनकी मौजूदगी ने आसपास के लोगों का खूब ध्यान खींचा। सुपरस्टार ऑलराउंडर के साथ बातचीत करने और तस्वीर लेने की कोशिश में कई लोगों ने अचानक उन्हें घेर लिया।

जब उनमें से एक ने पीछे से शाकिब का हाथ पकड़ने की कोशिश की, तो शाकिब ने अपना आपा खो दिया और पीछे मुड़कर उसके चेहरे पर थप्पड़ मार दिया। बता दें, शाकिब अल हसन

बांग्लादेश में अवामी लीग के टिकट पर एमपी सीट मगुरा-1 के लिए राष्ट्रीय चुनाव लड़ रहे हैं। वह भारी अंतर से जीत हासिल करने में कामयाब रहे। हाल ही में शाकिब का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें उन्हें अपने चुनाव प्रचार के दौरान एक मंच पर बैठे देखा जा सकता है और उनके आसपास बहुत सारे प्रशंसक हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्हें जम्हाई लेते हुए देखा गया और अपने प्रशंसकों के साथ सेल्फी खिंचवाते समय वह थोड़े भ्रमित भी दिखे। शाकिब अल हसन को आखिरी बार क्रिकेट फील्डर पर वर्ल्ड कप 2023 के दौरान देखा गया था। इस टूर्नामेंट में उन्हें टीम की अगुवाई करने का मौका मिला था। हालांकि टीम का परफॉर्मेंस बेहद खराब रहा था। बांग्लादेश 9 में से 7 मैच हारकर पॉइंट्स टेबल में 8वें पायदान पर रही थी।

दिल्ली के इन बाजारों में मिलता है सबसे सस्ता फर्नीचर कम दामों में मिल जाएगा घर सजाने के सामान

कौन नहीं चाहता कि उसका घर सबसे खूबसूरत दिखे। इसके लिए महिलाएं ऑनलाइन और बाजारों में से एक से बढ़कर एक चीजें चुनकर अपने घर में लगती हैं पर, ट्रेंड के हिसाब से घर सजाने का सामान और फर्नीचर सभी चीजों में बदलाव होता रहता है। कई बार बजट ना होने की वजह से घर का फर्नीचर नहीं बदल पाता। ऐसे में आज हम आपको दिल्ली के कुछ ऐसे बाजारों के बारे में बताएंगे, जहां से आप बेहद कम दामों पर होम डेकोर के आइटम और अच्छी क्वालिटी के फर्नीचर खरीद सकते हैं। इन जगहों पर आपको बड़े वाले शीशे, क्रॉकरी और घर सजाने के लिए एक से बढ़कर एक समान मिल जाएगा। यहां कई मार्केट ऐसे भी हैं जहां अच्छे से मोलभाव होता है। अगर आप में मोलभाव करने की क्षमता है तो आप इन बाजारों में आराम से जाकर सस्ते में सामान खरीद सकते हैं। आइए अब आपको भी इन बाजारों के बारे में बताते हैं ताकि आप भी ट्रेंड के हिसाब से अपने घर को सजा सकें।

इसे एशिया का सबसे बड़ा फर्नीचर बाजार कहा जाता है। सोमवार को ये बाजार बंद रहता है। आप यहां से सोफा सेट, डाइनिंग टेबल, मॉड्यूलर किचन, कैबिनेट, वार्डरोब और डिजाइनर फिटिंग से लेकर ऑफिस फर्नीचर तक सब कुछ खरीद सकते हैं। अगर आप अपने घर के लिए पारंपरिक, रचनात्मक, प्राचीन, कस्टम-मेड फर्नीचर से लेकर होमवेयर और सजावटी खरीदना चाहते हैं तो एमजी रोड का बाजार काफी बेस्ट है। कपड़ों के साथ-साथ करोल बाग का बाजार फर्नीचर और घर के सामानों के लिए भी काफी अच्छा बताया जाता है। आप यहां से बेड शीट, कुशन कवर, बाथरूम लिनन, अपहोल्स्ट्री मैटेरियल और पर्दों को खरीद सकते हैं। यहां आपको घर सजाने के लिए काफी सस्ते दामों पर सामान मिल जाएंगे। इस बाजार के सबसे पास का मेट्रो स्टेशन वायलेट लाइन पर कैलाश कॉलोनी है। इस बाजार में जाकर आप शादी की शॉपिंग तो कर ही सकते हैं। इसके साथ ही यहां स्थित भगीरथ पैलेस, फतेहपुरी, खारी बावली में मौजूद दुकानों में आपको अच्छे दामों पर फर्नीचर मिल जाएंगे। लड़कियों के कपड़ों के लिए पहचाने जाना वाला सरोजिनी नगर मार्केट फर्नीचर के लिए भी काफी पहचाना चाहता है। यहां कई दुकाने ऐसी हैं, जहां कम दामों में फर्नीचर मिल जाता है।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी-20 में भारत को 6 विकेट से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के बीच खेले गए दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट से मैच जीत लिया। इसी के साथ 3 मैचों की टी-20 सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है। पहले टी-20 मुकाबले में भारतीय टीम को 9 विकेट से जीत मिली थी। सीरीज का आखिरी मुकाबला 9 जनवरी को खेला जाएगा। एलिसा हीली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत की शुरुआत खराब रही और 87 रन तक 5 बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। दीप्ति शर्मा ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। 20 ओवर में पूरी टीम 8 विकेट खोकर 130 रन ही बना पाई। किम गार्थ, एनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वेयरहैम ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में एलिस पेरी (34) ने ऑस्ट्रेलिया टीम को जीत दिला दी। भारत के लिए दीप्ति ने 22 रन देकर 2 विकेट लिए। दीप्ति ने मैच के दौरान एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1,000 रन और 100 विकेट पूरे कर लिए। वह ऐसा करने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी हैं। दुनिया में सिर्फ 3 और महिला खिलाड़ियों ने यह कारनामा किया है। ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंड खिलाड़ी पेरी ने दूसरे टी-20 मैच के दौरान एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। उन्होंने 300 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल लिए हैं। वह यह कारनामा करने वाली ऑस्ट्रेलिया की पहली और दुनिया की चौथी महिला खिलाड़ी बनी हैं। पहले टी-20 में ऑस्ट्रेलिया ने 19.2 ओवर में 141 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने सिर्फ 1 विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर लिया था। शफाली वर्मा ने (64*) और स्मृति मंधाना ने (54) रन बनाए थे।

हॉकी इंडिया ने जूनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 41 सदस्यीय कोर समूह की घोषणा की

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने रविवार को बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) में सोमवार (8 जनवरी) से शुरू होने वाले जूनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 41 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा की। नए कोर संभावित समूह को 2023 में आयोजित घरेलू चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है। हॉकी इंडिया के मुताबिक खिलाड़ी 6 फरवरी को समाप्त होने वाले एक महीने के शिविर के लिए 8 जनवरी को कोच तुषार खांडकर को रिपोर्ट करेंगे। खांडकर ने कहा

कि इस कोर ग्रुप को हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप, जोनल चैंपियनशिप के साथ-साथ जूनियर महिला अकादमी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उनकी संबंधित राज्य टीमों के लिए खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। मैं इस नए समूह के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि इन खिलाड़ियों पर करीब से नजर रखी जाएगी और उन्हें अगले एफआईएच जूनियर विश्व कप पर ध्यान केंद्रित करने के लिए विकसित किया जाएगा।

सतना विद्युत करेंट से जेठानी और देवरानी दोनों की मौत

सतना, सतना सिविल लाइन थाना अंतर्गत बराकला में विद्युत करेंट के सम्पर्क में आने से दो सगी बहनों की मौत हो गई। पुलिस द्वारा बताया गया की धर्मशिला पति गया प्रसाद दहिया 55 वर्ष के घर में निर्माण कार्य चल रहा है जिसके चलते बिजली की तारे इधर से उधर फैली हुई थी । शनिवार रात लगभग 9 बजे कुछ काम करते समय धर्मशिला समेत उसकी छोटी बहन देवरानी गुलाबबाई पति बिंदा प्रसाद दहिया 50 वर्ष दोनों विद्युत करेंट की चपेट में आ गई जिससे दोनो की मौत हो गई। घटना के समय परिजन आसपास नहीं थे । काफी देर बाद जा परिजन आए तो दोनों बहनों को विद्युत तार से चिपका हुआ पाया दोनों को तार से अलग कर आनन फानन में निजी वाहन से जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

विकसित भारत यात्रा पहुंची ग्राम पंचायत चौपड़ा जिसमें नदारद दिखी जनता

मैहर, ग्राम पंचायत चौपड़ा पहुंची विकसित भारत यात्रा जहां पर सरपंच मुन्नालाल साकेत और सेक्रेट्री रामबेटा कुशवाहा की तानाशाही के कारण जनता और पंच दिखे नदारद । चौपड़ा पंचायत के विकसित यात्रा में सरपंच और सेक्रेट्री के तानाशाही रवैए के कारण जनता तक नहीं पहुंची विकसित यात्रा की जानकारी, जिसके कारण नहीं पहुंच पाए लोग , हमारी टीम ने जब पंचायत के जनप्रतिनिधि माने जाने वाले पंचों से बात की गई तो उन्होंने बताया की जब पंचों को ही विकसित यात्रा की नहीं है जानकारी तो जनता को कैसे होगी । पंचों ने सरपंच मुन्नलाला और सेकेट्री रामबेटा पर लगाए आरोप कहा की पिछले 6 माह से नहीं हुई पंचायत की मासिक बैठक न ही किसी भी पंच का मिला मानदेय जबकि सभी का मानदेय सरपंच मुन्नालाल साकेत के खाते में अंतरण अक्टूबर माह में हो चुका है लेकिन पंचों को नहीं हुआ भुगतान।

सिंधी समाज का राष्ट्रीय स्तर का विशाल परिचय सम्मेलन संपन्न

सतना, आज 7 जनवरी 2024 दिन रविवार को पूरे देश से आए हुए प्रतिभागियों एवम उनके परिवार की उपस्थिति में विशाल परिचय सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, इस अवसर पर समाजसेवी राजकुमार बजाज सहित समाजवियों एवं पंचायत के पदाधिकारियों का भी सम्मान किया गया है । विस्तृत जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक कन्हैयालाल कामदार ने बताया कि समाज में व्याप्त रिश्तों की परेशानियों को देखते हुए सतना समाज की सर्वोच्च संस्था सेंट्रल सिंधी पंचायत ने महाराष्ट्र की राष्ट्रीय संस्था अखंड सिंधी सेवा फाउंडेशन के साथ मिलकर परिचय सम्मेलन संपन्न करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया. आज रिश्तो में हो रही कठिनाई को देखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सतना में बृहद परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया , कार्यक्रम में लगभग 275 बच्चे अपने अभिभावकों के साथ शामिल हुए ,इस कार्यक्रम में पूरे भारत देश से 275 परिवार अपने बच्चों के जीवन साथी की तलाश के लिए यहां उपस्थित हुए ,कार्यक्रम के दौरान उन्होंने स्पष्ट प्रसारित सभी बायोडाटा का गहराई से अध्ययन किया एवं अपने बच्चों के लिए उपयुक्त जीवनसाथी के बायोडाटा के नंबर अपनी डायरी में नोट किये, कार्यक्रम में उपस्थित परिवारों के आदेश पर पंचायत ने दोनों पक्षों के परिवारों का कार्यक्रम स्थल में निर्मित कई केबिनो में समन्वय करवाया गया ,कई परिवारों ने केबिन में बैठकर संबंध बनाने का प्रयास किया. इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह सक्रिय समाजसेवी अशोक खनेचा के सहयोग से कार्यक्रम यूट्यूब की लिंक के जरिए देश-विदेश में पूरे समाज ने घर बैठकर लाइव प्रसारण का आनंद लिया, समाज ने लाइव प्रसारण के दौरान कार्यक्रम में प्रसारित सभी बायोडेटाओं को ध्यान से देखा एवं उन्होंने अपने बच्चों के लिए घर बैठकर उपयुक्त जीवनसाथी की तलाश भी की परिचय सम्मेलन जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में आसपास के शहरों जैसे रीवा कटनी सीधी नागौद मैहर जैतवारा टीकमगढ़ जबलपुर के सभी पंचायत के सम्माननीय पदाधिकारी गण को भी आमंत्रित किया गया था एवं उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित होकर सामाजिक मर्यादाओं एवं क्षेत्रीय एकता का सार्थक संदेश दिया। कार्यक्रम को सफलता प्रदान करने के लिए महाराष्ट्र से अखंड सिंधी सेवा फाउंडेशन के करीब आठ पदाधिकारी भी उपस्थित हुए एवं उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर इस कार्यक्रम का सफल संचालन किया कार्यक्रम में बाहर से आए हुए पंचायत के पदाधिकारी,उपस्थित समाज, प्रतिभागी एवं उनके परिवारों का प्रतिनिधित्व आमंत्रित वरिष्ठ जनों द्वारा किया गया, दादा लधारम वरदानी, द्वारका दास कामदार, होलाराम वाधवानी, वीरभान दास पुरस्वानी, श्रीचंद्र लाल मोटवानी। कार्यक्रम की नीव को मजबूत करने के लिए संस्था के जिन सदस्यों ने जी तोड़ मेहनत की , अपना बहुमूल्य समय दिया उन सभी सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ताओं का मंच पर सम्मानित किया गया कार्यक्रम के दौरान विविधता लाने के लिए कवि हृदय वरिष्ठ समाजसेवी राजेश कोटवानी जी ने भी अपने सुंदर गीतों की प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया कार्यक्रम में महाराष्ट्र की संस्था अखंड सिंधी सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष हरीश लाल तलरेजा , उपाध्यक्ष मुरलीधर गुरदासानी , श्रीमती शोभा भागिया अपने कई पदाधिकारी के साथ शामिल हुए, संस्था अध्यक्ष मनोहर लाल वाधवानी, मनोहर लाल आरतानी, रूपेश वलेचा, दीपक सुखवानी, राजकुमार आहुजा, जितेंद्र साबनानी, इंद्रलाल कापड़ी, किशोर वलेजा, राजकुमार बजाज,जय आहूजा, नंदलाल छाबड़िया, किशन जोतवानी, सुनील आहूजा,चंद्रलाल हिरवानी, सुरेश आहूजा, बूलचंद दुसेजा, अशोक भंभानी, प्रकाश वलेचा, मनोज सुखदानी,बलराम खूबचंदानी, राजकुमार खूबचंदानी,मनोज मोरियानी, गिरधारी लाल सोनी, मनोहर मोरियानी, सुनील कापड़ी , समाजसेवी दयाल दास कापड़ी, केशव माखीजा, श्याम लाल छाबड़िया, मनीष टेकवानी, गोकुलदास चुगवानी, अशोक कुमार सचदेव ,संजय तीर्थवानी, सतीश सुखेजा, श्रीचंद मनवानी ,विक्रम चौधरी,दीपक चुगवानी ,गिरधारी लाल वाधवानी, बबल आवतनी,शंकर लाल मीरानी,मनोहर सीतलानी, रविंद्र दुदानी,सोनू आहूजा पंकज आहूजा, महिला शाखा के अंतर्गत महिला शाखा अध्यक्ष ज्योति मनवानी, संरक्षक गंगा सुखवानी, संगीता सुखदानी, उपाध्यक्ष कनक चौधरी, महामंत्री मीना कापड़ी, मंत्री शोभा आरतानी,कोषाध्यक्ष मधु भंभानी, सक्रिय सदस्य सुनीता होतचंदानी,मधु दौलतानी, शीला वाधवानी ,कनिका छाबड़िया नीता मोरवानी, दीपा आवतानी, कोमल खिलवानी, राधा कामदार, माया वालेजा, प्रीति कामदार, कंचन वाधवानी, पुष्पा मेलवाणी जी मुख्य रूप से उपस्थित हुए।

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के मनमाने संचालन पर हाईकोर्ट सख्त, याचिका पर सुनवाई के बाद मांगा जवाब

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन संचालन मनमाने तरीके से किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि सुप्रीम कोर्ट ने लोढ़ा समिति की सिफारिश पर बीसीसीआई को दिशा-निर्देश जारी किए थे। एमपीसीए के संचालन में उनका परिपालन नहीं हो रहा है। याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रवि विजय कुमार मलिमथ तथा जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बता दें कि नर्मदापुरम निवासी आनंद मिश्रा की तरफ से ये याचिका लगाई गई है। याचिका में कहा गया था कि सुप्रीम कोर्ट ने लोढ़ा कमेटी की सिफारिश पर साल 2018 में बीसीसीआई को संचालन व्यवस्था के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए थे। बीसीसीआई से मान्यता प्राप्त राज्य क्रिक्रेट एसोसिएशन को भी उनका पालन करना था। राज्य क्रिक्रेट एसोसिएशन उन दिशा-निर्देश का परिपालन सुनिश्चित करे, यह जिम्मेदारी बीसीसीआई की है। याचिका में कहा गया था कि एमपीसीए का संचालन मनमाने तरीके से हो रहा है। एसोसिएशन में किसी प्रकार की कोई पारदर्शिता नहीं है। बैठकों के आयोजन से लेकर सदस्य चयन में नियमों का पालन नहीं किया जाता है। इसके अलावा बजट का उपयोग भी मनमाने तरीके से किया जाता है। इसके कारण प्रदेश में किक्रेट के खेल का भविष्य नष्ट हो रहा है। याचिका में केन्द्र व सरकार, बीसीसीआई, एमपीसीए, रजिस्ट्रार फर्म एंड सोसायटी सहित नर्मदापुरम के क्रिकेट एसोसिएशन सहित अन्य को अनावेदक बनाया गया था। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद अनावेदकों को नोटिस जारी कर अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की है। याचिकाकर्ता की तरफ से पैरवी अधिवक्ता काजी फखरुद्दीन ने की।

कटनी में 11 वर्षीय बालक का अपहरण कर हत्या की फिर दफनाया

पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर शुरू की जांच

कटनी, कटनी जिले के माधव नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत नाबालिग की हत्या कर शव को दफनाने का सनसनीखेज मामला सामनें आया है। पुलिस पूरे मामलें की गम्भीरता से जाँच में जुटी है। मामला माधवनगर थाना क्षेत्र के ग्राम भनपुरा नम्बर एक का है। यहां एक 11 वर्षीय बालक का अपहरण कर हत्या की फिर उसे दफनाने का आरोप बच्चे के परिजनों ने लगाया है।2 दिन पहले घर से खेलने के लिए निकले रामनाथ यादव का 11 वर्षीय पुत्र विनीत यादव 4 जनवरी की सुबह 10 बजे से लापता था। काफी तलाश के बाद जब विनीत नहीं मिला तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर खोजबीन शुरू की थी। पुलिस को खोजबीन के दौरान खबर मिली कि ग्राम के समीप ही जंगल मे नदी किनारें एक बच्चे का जमीन में दबा शव मिला। इसकी शिनाख्त

विनीत के रूप में हो गई। घटना के संबंध मे माधव नगर पुलिस को जानकारी लगी तो आनन फानन में माधव नगर थाने का बल एवं जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर जा पहुंचे और विशेषज्ञों की टीम के जरिए गड्ढे में दफन बालक के शव को दोबारा गड्ढा खोदकर बाहर निकलवाया। माधवनगर थाना क्षेत्र के ग्राम भनपुरा क्रमांक 1 में हुई इस घटना की जानकारी जंगल मे लगी आग की तरह फैल गई। जिससे समूचे क्षेत्र में खलबली मची हुई है। घटना के संबंध में नगर पुलिस अधीक्षक ख्याति मिश्रा ने बताया कि गत 4 जनवरी की शाम भानपुरा क्रमांक 1 ग्राम निवासी यादव परिवार का 11 वर्षीय बालक दोपहर लगभग तीन से चार बजे के बीच घर से खेलने के लिए निकला था, इसके बाद वह वापस लौट कर घर नहीं आया। परिजनों की सूचना के आधार पर माधव नगर पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर बालक की तलाश कर रही थी। नगर पुलिस अधीक्षक ख्याति मिश्रा ने बताया कि गांव के समीप स्थित सिमरार नदी के किनारे अज्ञात आरोपी के द्वारा हत्या कर बच्चों को एक गड्ढे में दफना दिया गया था। सूचना मिलने के बाद जबलपुर से एफएसएल टीम एवं डॉग स्क्वॉट को बुलाकर गड्ढे में दफन बच्चे के शव को निकाला गया। मृत बच्चे का शव परीक्षण कराते हुए हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों को जल्द पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। बालक की निर्मम हत्या की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन एवं नगर पुलिस अधीक्षक ख्याति मिश्रा भी घटनास्थल पर पहुंची। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में घटनास्थल की सघनता से जांच की गई। घटना के बाद समूचे गांव में मातम छा गया है। पुलिस आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने के प्रयास में जुट गई है।

चुनावी रंजिश को लेकर युवक पर की गई फायरिंग, सभी आरोपी फरार, पुलिस जांच में जुटी

दतिया जिले के थाना भांडेर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सुनारी में अंधाधुंध फायरिंग में एक युवक बुरी तरह से घायल हो गया है। युवक का नाम शिवम यादव निवासी ग्राम सुनारी का होना बताया गया है। घटना की वजह चुनावी रंजिश को लेकर बताई गई है। इधर, ग्राम सुनारी पंचायत के सरपंच राजेन्द्र यादव ने बताया कि आनंद यादव, नकुल यादव सहित 15 लोग थे, जिन्होंने फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है। वहीं, पीड़ित व्यक्ति का आरोप है कि 100 डायल पुलिस मौके पर पहुंची थी, लेकिन आरोपियों के पास हथियार होने के कारण उन्हें नहीं पकड़ा गया। जिस कारण से सभी आरोपी मौके से भाग गए। पुलिस ने घटना के बाद घायल को जिला अस्पताल में उपचार के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पन्ना के नगर अमानगंज में निकाला गया पथ संचलन, पुष्पवर्षा से जगह-जगह हुआ स्वागत

पन्ना, अमानगंज नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महाविद्यालयीन विद्यार्थी स्वयंसेवकों का आज परंपरागत पथ संचलन का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नगर के सभी स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण हुआ और फिर इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक श्रवण जी द्वारा बौद्धिक विचार देते हुए बताया गया कि संघ की स्थापना राष्ट्रभक्ति के ध्येय को लेकर हुई थी डॉक्टर हेडगेवार जी के मार्गदर्शन में यह संघ आज सारे देश में मजबूती के साथ अपनी सनातन संस्कृति एवं हिंदू धर्म को लेकर चल रहा है। हम सबको इसी परंपरा को आगे बनाए रखना है और जो निर्देश और कर्तव्य हमें सौंपे गए हैं उसका पूरी सजगता के साथ हमें पालन करना है। इसके बाद शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से पथ संचलन आरंभ हुआ जो अस्पताल चौराहा, नया बस स्टैंड, मटकी चौराहा, आसमानी माता मंदिर से होते हुए गांधी चौराहा से होकर वापस शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम स्थल पर संचलन का समापन हुआ।

सिंगल कॉलम

ट्रैवल एजेंसी का दावा- मालदीव के लिए नई पूछताछ नहीं, इस कंपनी ने सभी उड़ानों को किया रद्द

लक्षद्वीप और मालदीव इन दिनों भारत में चर्चा का मुख्य बन गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्षद्वीप दौरे के बाद से देश में मालदीव का बहिष्कार किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने दावा किया है कि उन्होंने मालदीव में नियोजित अपनी छुट्टियां रद्द कर दीं हैं। वहीं, टूर ऑपरेटर्स ने भी बड़ी संख्या में छुट्टियां रद्द करने की तैयारी शुरू कर दी है। बता दें, छुट्टियां मनाने के लिए मालदीव भारतीयों की पसंदीदा जगहों में से एक है। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स का अनुमान है कि सोशल मीडिया पर मालदीव के खिलाफ बढ़ रहे विरोध का नतीजा अगले 20-25 दिनों के भीतर स्पष्ट हो जाएगा। उनका कहना है कि अगर कोई व्यक्ति पहले से ही हवाई जहाज और होटल बुक कर चुका है तो वह इसे रद्द नहीं करेगा। हालांकि, उनका कहना है कि पिछले कुछ दिनों से मालदीव के लिए कोई नई पूछताछ नहीं हुई है। टूर कंपनी मेक माई ट्रिप के संस्थापक दीप कालरा ने बताया कि भारतीयों ने फिलहाल मालदीव में पूर्व नियोजित छुट्टियों को रद्द नहीं किया है। सोशल मीडिया पर चले रहे ट्रेंड का असर आने वाले कुछ दिनों में ही साफ होगा। वहीं, एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव मेहरा का कहना है कि उम्मीद है कि लोग जिन्होंने हवाई जहाज और होटलों का भुगतान कर दिया है, वह इन यात्राओं को रद्द नहीं करेंगे। हालांकि, नई बुकिंग की उम्मीद कम है। लक्षद्वीप में यात्रा को बढ़ावा देने के लिए लाएंगे ऑफर ऑनलाइन टूर कंपनी ईज माई ट्रिप ने पीएम मोदी की लक्षद्वीप यात्रा और मालदीव के मंत्रियों की टिप्पणियों के कारण मालदीव की सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया है।

केंद्रीय मंत्री को ले जा रही नाव ओडिशा की चिल्का झील में 2 घंटे तक फंसी रही

झभुवनेश्वर: केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला को ले जा रही एक नौका ओडिशा की चिल्का झील में रविवार शाम लगभग दो घंटे तक फंसी रही। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। शुरुआत में यह माना जा रहा था कि नौका कथित तौर पर मछुआरों द्वारा डाले गए जाल के कारण फंस गई है लेकिन बाद में केन्द्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी नौका रास्ता भटक गई थी। प्रशासन ने एक अन्य नौका भेजी जिससे केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री को वहां से निकाल लिया और उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचाया। रूपाला के साथ नौका पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा और पार्टी के कुछ अन्य स्थानीय नेता भी थे। यह घटना उस वक्त हुई जब मंत्री ने खुर्दा जिले के बारकुल से अपनी यात्रा शुरू की और पुरी जिले के सतपाड़ा जा रहे थे। मंत्री के काफिले में ड्यूटी पर तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि नलबाना पक्षी अभयारण्य के पास यांत्रिक नौका लगभग दो घंटे तक फंसी रही। मंत्री ने बाद में संवाददाताओं से कहा,'' अंधेरा हो गया था और नौका परिचालित कर रहे नाविक को भी रास्ते की जानकारी नहीं थी। इसलिए हम रास्ता भटक गए। हमें सतपाड़ा पहुंचने में दो घंटे से अधिक वक्त लगा।%% घटना के बाद प्रशासन ने सतपाड़ा से एक और नौका भेजी और उससे मंत्री और उनके सहयोगी गंतव्य तक पहुंचे।

डब्ल्यूएचओ ने आयुष शब्दावली को अंतरराष्ट्रीय सूची में किया शामिल

बीमारियों के भारतीय नामों को वैश्विक पहचान दिलाने में बड़ी कामयाबी मिली है। अब अमेरिका, चीन, जापान और यूके सहित सभी देश बुखार से लेकर अन्य सभी तरह की बीमारियों के भारतीय नाम भी जान सकेंगे और शोध व अनुसंधान में इनका जिक्र भी करेंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इंटरनेशनल क्लेसिफिकेशन ऑफ डिजीज नामक एक सूची तैयार की है, जिसमें भारतीय पारंपरिक चिकित्सा की शब्दावली को शामिल किया है। आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथी सहित सभी चिकित्सा में रोगों का वर्गीकरण हुआ है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डब्ल्यूएचओ ने स्थान दिया है।10 जनवरी को भारत में डब्ल्यूएचओ और आयुष मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी संयुक्त रूप से यह सूची जारी करेंगे। इसका सबसे बड़ा लाभ शोध व अनुसंधान में होगा, क्योंकि अभी भारत में इन बीमारियों को जिन नामों से जाना जाता है उनके बारे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जानकारी नहीं होती है। उदाहरण के तौर पर वर्टिगो गिडिनेस डिसऑर्डर बीमारी एक नर्वस सिस्टम डिसऑर्डर है, जिसे आयुर्वेद में भ्रम:, सिद्धा में अजल किरुकिरुप्पु और यूनानी चिकित्सा में सद्र-ओ-दुवार के नाम से जाना जाता है। भारत में उपचार में होगी आसानी पारंपरिक चिकित्सा के जरिये भारत में आकर इलाज कराने पर सरकार काफी ध्यान दे रही है। बीमारियों के भारतीय नामों का विदेश में पता चलने से वहां की स्वास्थ्य बीमा कंपनियां और योजनाओं का लाभ लेने में मरीजों को सहूलियत होगी और वे भारत में आकर अपना इलाज करवा सकें। बीमारियों के कोड भी किए विकसित आयुष मंत्रालय ने हाल ही में नेशनल आयुष मोरबीडिटी एंड स्टंडरडाइज्ड इलेक्ट्रॉनिक पोर्टल (नमस्ते) लॉन्च किया है, जिस पर आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी सहित सभी

फिर एक बार हसीना सरकार, 5वीं बार संभालेंगी बांग्लादेश की सत्ता

इंटरनेशनल डेस्क: बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को लगातार चौथा कार्यकाल हासिल किया और उनकी पार्टी अवामी लीग ने हिंसा की छिटपुट घटनाओं तथा मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) एवं उसके सहयोगियों के बहिष्कार के बीच हुए चुनावों में दो-तिहाई सीट पर जीत दर्ज की। हसीना की पार्टी ने 300 सदस्यीय संसद में 200 सीट पर जीत दर्ज की। हसीना ने गोपालगंज-3 संसदीय सीट पर फिर से शानदार जीत दर्ज की। उन्हें 2,49,965 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं बांग्लादेश सुप्रीम पार्टी के एम निजाम उद्दीन लश्कर को महज 469 वोट ही मिले। बांग्लादेश में वर्ष 2009 से हसीना (76) के हाथों में सत्ता की बागडोर है। प्रधानमंत्री के रूप में उनका अब तक का यह पांचवां कार्यकाल होगा। आइए आपको बताते हैं शेख हसीना के बारे में.... शेख हसीना बांग्लादेश के स्वाधीनता संग्राम के अगुवा नेता और पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान की बेटी हैं। साल 1975 के तख्ता पलट ने उनके पिता, मां और तीन अन्य भाइयों की हत्या हो गई थी। हसीना के परिजनों की हत्या कुछ सैन्य अफसरों ने ही कर दी थी। जब परिजनों की हत्या हुई तो वह पति के साथ जर्मनी में थीं। परिवार की हत्या के बाद शेख हसीना को साल 1975 से साल 1981 तक दिल्ली में रहना पड़ा। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनकी गुजारिश पर देखते में उन्हें परिवार के साथ शरण दी थी। हसीना के साथ-साथ उनके पति वैज्ञानिक एमए वाजेद मियां और दोनों बच्चे दिल्ली स्थित पंडारा पार्क में रहते थे। कुछ दिनों बाद वह लाजपत नगर में रहने लगी थीं। हसीना जब भारत आईं तो यहां आपातकाल लगा हुआ था। हसीना पहली बार साल 1996 में देश की प्रधानमंत्री बनीं। इसके बाद साल 2001 से 2008 तक वह बांग्लादेश के संसद में विपक्ष की नेता रहीं। इस दौरान वह कई बार जेल गईं। साल 2004 में हसीना की हत्या की कोशिश हुई थी, जिसके आरोप में फिलहाल बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया जेल में हैं। साल 2009 के चुनावों में हसीना ने वापसी की और अब तक सत्ता पर काबिज हैं। हसीना के दूसरे कार्यकाल के दौरान जनवरी 2010 में उनके परिजनों की हत्या में शामिल सभी सैन्यकर्मियों को फांसी दे दी गई थी। साल 1996 में जब वह पहली बार प्रधानमंत्री बनी थीं तब सभी के खिलाफ ट्रायल शुरू हुआ था। साल 2009 की नौ मई को ही हसीना के पति एमए वाजेद का देहांत हो गया था। इस बीच, हसीना और उनकी पार्टी पर विपक्ष को दबाने के आरोपों का भी सामना करना पड़ा। आरोप लगाया जाता रहा है कि हसीना की सरकार में कई विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया गया और विपक्षी गठबंधन की एक छोटी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी को 2013 में चुनावों में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया। हसीना की सरकार पर फ्रीडम ऑफ स्पीच को दबाने का आरोप भी लगता रहा है।

म्यांमार में सेना ने एक गांव पर बरसाए बम

9 बच्चों समेत 17 लोगों की मौत, 20 घायल

बैंकॉक: म्यांमार के उत्तर-पश्चिम हिस्से में एक गांव पर सेना के हवाई हमलों में नौ बच्चों समेत कम से कम 17 नागरिकों की मौत हो गई। एक मानवाधिकार समूह ने रविवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि भारतीय सीमा के ठीक दक्षिण में सागांग क्षेत्र के कानन गांव में सुबह हुए हवाई हमले में लगभग 20 लोग घायल भी हुए हैं। सेना ने फरवरी 2021 में लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू ची की चुनी हुई सरकार को अपदस्थ कर दिया था। इससे पहले पिछले साल अप्रैल में म्यांमार की सेना के हवाई हमले में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। जानकारी के मुताबिक ये लोग सैन्य शासन के खिलाफ आयोजित एक समारोह में शामिल होने गए थे। म्यांमार के घातक हवाई हमलों की संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने भी निंदा की थी। वोल्कर तुर्क ने कहा था कि नागरिकों पर हमले की रिपोर्ट काफी विचलित करने वाली है।उन्होंने कहा कि वहां स्कूली बच्चे भी मौजूद थे।

शेख हसीना की पार्टी ने जीता आम चुनाव

पांचवी बार लेंगी पीएम पद की शपथ

इंटरनेशनल डेस्क: बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को लगातार चौथा कार्यकाल हासिल किया और उनकी पार्टी अवामी लीग ने हिंसा की छिटपुट घटनाओं तथा मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) एवं उसके सहयोगियों के बहिष्कार के बीच हुए चुनावों में दो-तिहाई सीट पर जीत दर्ज कर ली। हसीना की पार्टी ने 300 सदस्यीय संसद में 200 सीट पर जीत दर्ज की। रविवार को हुए मतदान के बाद मतगणना अब भी जारी है। चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने कहा,हम अब तक उपलब्ध परिणामों के आधार पर अवामी लीग को विजेता कह सकते हैं लेकिन बाकी निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना खत्म होने के बाद अंतिम घोषणा की जाएगी। हसीना ने गोपालगंज-3 संसदीय सीट पर फिर से शानदार जीत दर्ज की। उन्हें 2,49,965 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं बांग्लादेश सुप्रीम पार्टी के एम निजाम उद्दीन लश्कर को महज 469 वोट ही मिले। बांग्लादेश में वर्ष 2009 से हसीना (76) के हाथों में सत्ता की बागडोर है। इसबार, एकतरफा चुनाव में वह लगातार चौथा कार्यकाल हासिल करने वाली हैं। उनका अब तक का यह पांचवां कार्यकाल होगा।

वेटिकन के शीर्ष अधिकारी स्किकलुना बोले- पादरियों को दी जानी चाहिए शादी करने की अनुमति

इंटरनेशनल डेस्क: वेटिकन के एक वरिष्ठ अधिकारी और पोप फ्रांसिस के सलाहकार ने रविवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में कहा कि रोमन कैथोलिक चर्च को पादरियों को शादी करने की अनुमति देने के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए। माल्टा के आर्कबिशप चार्ल्स स्किकलुना, जो वेटिकन के सैद्धांतिक कार्यालय में सहायक सचिव भी हैं, ने बताया, यह शायद पहली बार है जब मैं इसे सार्वजनिक रूप से कह रहा हूं और यह कुछ लोगों को विधर्मी लगेगा। पोप फ्रांसिस ने किसी भी संभावना से इनकार किया है कि वह पादरियों को ब्रह्मचारी रहने की आवश्यकता वाले रोमन कैथोलिक नियम को बदल देंगे। लेकिन यह चर्च का औपचारिक सिद्धांत नहीं है और इसलिए इसे भावी पोप द्वारा बदला जा सकता है। स्किकलुना ने कहा कि चर्च के इतिहास की पहली सहस्त्राब्दी में पादरियों को शादी करने की अनुमति थी और कैथोलिक चर्च के पूर्वी संस्कार में आज भी शादी की अनुमति है। उन्होंने कहा, अगर यह मेरे ऊपर निर्भर होता, तो मैं पादरियों के ब्रह्मचारी रहने की आवश्यकता को संशोधित करता। उन्होंने कहा, अनुभव ने मुझे दिखाया है कि यह ऐसी चीज है जिसके बारे में हमें गंभीरता से सोचने की जरूरत है। 64 वर्षीय स्किकलुना ने कहा कि चर्च ने कई महान पादरियों को खो दिया है क्योंकि उन्होंने विवाह को चुना। उन्होंने कहा कि चर्च में ब्रह्मचर्य के लिए एक जगह है लेकिन यह भी ध्यान में रखना होगा कि एक पुजारी को कभी-कभी प्यार हो जाता है। फिर उसे उसके और पुरोहित वर्ग के बीच चयन करना होगा और कुछ पुजारी गुप्त रूप से भावुक संबंधों में संलग्न होकर इसका सामना करते हैं।

भारत से विवाद के बीच मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू आज से रहेंगे चीन के दौरे पर, कई समझौतों पर करेंगे हस्ताक्षर

इंटरनेशनल डेस्क: मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू आठ जनवरी को चीन की यात्रा पर आ रहे हैं और इस दौरान शी जिनपिंग तथा मुइज्जू देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। दोनों नेता कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी करेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि राष्ट्रपति शी 8-12 जनवरी तक राजकीय यात्रा पर आ रहे मुइज्जू के स्वागत में भोज देंगे। दोनों राष्ट्राध्यक्ष बातचीत करेंगे और 'सहयोग दस्तावेजों के हस्ताक्षर समारोह में भाग लेंगे। दोनों राष्ट्राध्यक्ष बातचीत करेंगे और सहयोग दस्तावेजों के हस्ताक्षर समारोह में भाग लेंगे। मुइज्जू की यात्रा पर क्राड की नजर ऐसे में चीन के पुराने समर्थक रहे राष्ट्रपति मुइज्जू इस यात्रा के दौरान चीन के साथ किन समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे इस पर भारत के साथ-साथ क्राड संगठन की नजर भी होगी। बता दें कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामक गतिविधियों की निगरानी और नियंत्रण के लिए तैयारी करना अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया के संगठन क्राड का एक प्रमुख दायित्व है और इस दायित्व को पूरा करने में मालदीव की भूमिका महत्वपूर्ण होने वाली है। पीएम मोदी और भारत के खिलाफ टिप्पणी वहीं हाल ही में लक्षद्वीप दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की थीं और वहां के पर्यटन को बढ़ावा देने की मांग की थी। इसके बाद रविवार को मालदीव के कुछ नेताओं ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी और भारत के खिलाफ टिप्पणी की. हालांकि मालदीव सरकार ने इन बयानों से किनारा कर लिया।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में भाजपा नेता असीम राय की हत्या

बीच बाजार में अज्ञात लोगों ने मारी गोली

नेशनल डेस्क: छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में रविवार शाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता की हत्या कर दी गई। पुलिस को संदेह है कि उन्हें गोली मारी गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना पखांजुर कस्बे के पुराना बाजार इलाके में रात करीब साढ़े आठ बजे हुई, जब असीम राय दोपहिया वाहन चला रहे थे। पखांजुर नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राय (50) निवर्तमान पार्षद और सत्तारूढ़ भाजपा की कांकेर जिला इकाई के उपाध्यक्ष थे। चश्मदीदों के अनुसार, राय अचानक वाहन से नीचे गिर गए। उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर क्षेत्र) सुंदरराज पी. ने मीडिया से कहा,प्रथम दृष्टया, परिस्थितिजन्य साक्ष्य से संकेत मिलता है कि पीड़ित को प्रतिद्वंद्विता या व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण गोली मारी गई होगी। हम हर संभावित पहलुओं से जांच कर रहे हैं।

लीबिया में सबसे बड़ी फील्ड पर रुका तेल उत्पादन, प्रदर्शनकारियों ने जबरन घुसकर बंद करवाया

लीबिया के सबसे बड़े क्षेत्र में रविवार को तेल उत्पादन निलंबित कर दिया गया। देश की सरकारी तेल कंपनी ने कहा, प्रदर्शनकारियों ने ईंधन की कमी के कारण सुविधा को बंद करने के लिए मजबूर किया। नेशनल ऑयल कॉरपोरेशन ने रविवार से देश के दक्षिण में शरारा तेल क्षेत्र में अप्रत्याशित घटना की घोषणा की। अप्रत्याशित घटना एक कानूनी पैंतरेबाजी है जो असाधारण परिस्थितियों के कारण किसी कंपनी को उसके संविदात्मक दायित्वों से मुक्त कर देती है। प्रतिदिन 1.2 मिलियन बैरल से अधिक तेल उत्पादन करता है लिबिया कंपनी ने एक बयान में कहा कि क्षेत्र के बंद होने से भूमध्यसागरीय तट पर पश्चिमी जाविया टर्मिनल को कच्चे तेल की आपूर्ति रोकनी पड़ी। लीबिया प्रतिदिन 1.2 मिलियन बैरल से अधिक तेल का उत्पादन करता है, और शरारा देश का सबसे बड़ा क्षेत्र है, जिसकी क्षमता प्रति दिन 300,000 बैरल तक है। कंपनी ने कहा कि जितनी जल्दी हो सके उत्पादन फिर से शुरू करने के लिए प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत चल रही है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि राजधानी त्रिपोली से लगभग 950 किलोमीटर (590 मील) दक्षिण में रेगिस्तानी शहर उबरी के निवासियों ने ईंधन की कमी के विरोध में मैदान बंद कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने लीबिया के ऐतिहासिक तीन प्रांतों में से एक, फेजान के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के पुनर्वास और सड़कों की मरम्मत का भी आह्वान किया। उन्होंने जुलाई में दो दिन के लिए मैदान बंद कर दिया था। विदेशी शक्तियां कर रही हैं संघर्ष लीबिया का कच्चा तेल लंबे समय से देश के वर्षों से चल रहे नागरिक संघर्ष में शामिल रहा है, जिसमें प्रतिद्वंद्वी मिलिशिया और विदेशी शक्तियां अफ्रीका के सबसे बड़े तेल भंडार पर नियंत्रण के लिए संघर्ष कर रही हैं। 2011 में नाटो समर्थित विद्रोह में लंबे समय तक तानाशाह मोअम्मर गद्दाफी को उखाड़ फेंकने और मारे जाने के बाद से लीबिया उथल-पुथल में है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569